जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

कोटा

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

कोटा, शुक्रवार 24 जून, 2022

विचार बिन्दु

अतिथि जिसका अन्न खाता है, उसके पाप धुल जाते हैं। -अथर्ववेद

अग्निपथ पर अग्निवीरों, बढ़े चलो-बढ़े चलो, सेवा-कर्तव्य है, करते चलो-करते चलो!

'अग्निपथ योजना' क्या है, इससे किसको लाभ होगा और किसको नुकसान? यह भी सच है कि सेना की नौकरी में जान को खतरा है, किन्तु नौकरी की सुरक्षा है और आजीवन पेंशन है। पेंशन पर सेना का खर्चा 82.5 प्रतिशत है। सेना में लगभग 15.5 लाख व्यक्ति सक्रिय काम करते हैं। सेना की नौकरी में भारत चीन से पीछे है। हमारा सेना का बजट 77 अरब डालर 2013-14 में था चीन का 292 अरब डालर है। इससे यह स्पष्ट होता है कि पेंशन पर होने वाला खर्चा बहुत अधिक है और बढ़ता भी रहता है यह 2020-21 में 125 प्रतिशत बढ़ गया है। अग्निपथ योजना सेना में भर्ती का एक नया तरीका है, जिसमें 25 प्रतिशत लोगों की सेना में भर्ती दी जाती है और शेष को सरकारी विभागों में जो पद खाली होंगे उन नौकरी में प्राथमिकता दी जावेगी। 25 प्रतिशत की सीमा को चरणबद्ध तरीके से बढ़ाया जा सकता है। प्रारंभ में 46500 अग्निवीरों को रक्षाबलों में लगाया जावेगा। इस योजना में पहिले पुरूषों को लिया जावेगा। महिलाओं के लिये भी लागू होगी। इससे सेनाओं की औसत आयु में कमी आयेगी। कई राज्य सरकारों ने जैसे हरियाणा आदि तथा कम्पनियों ने जैसे आनन्द महिन्द्रा और हर्ष गोयनका ने आश्वासन दिया है कि वे अग्निवीरों को, अपने यहां विभिन्न खाली पदों पर लेगें। डोभाल ने इस योजना के कई लाभ बतलाये हैं और कहा है कि बदलते समय में बदलाव की आवश्यकता है।

अग्निपथ योजना में सशस्त्र बलों को शिक्षा भी दी जावेगी, वे डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। सेवा की उम्र 171/2 से 21 वर्ष होगी, इसे 23 वर्ष कर दी है (यह एक वर्ष के लिये है)। यूनिफार्म मिलेंगी, रिस्क ट्रेवल अलाउन्स मिलेगा। साल में 30 दिन की छुट्टी भी मिलेंगी सिक लीव भी मिलेंगी। पोस्टिंग की जगह के हिसाब से अग्निवीरों को सैनिकों की तरह विशेष भत्ते मिलेंगे। अग्निवीरों की अलग केटेगरी होने से उन्हें डीए, पेन्शन, ग्रेच्यूटी नहीं मिलेगी। पहले जैसे भर्ती सेना में होती रहेगी। अग्निवीर बनने के बाद गृह व रक्षा मंत्रालय की नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण दिया जावेगा। हर माह 30 हजार की सेलेरी व हर माह इन्क्रीमेन्ट मिलेगा। चार साल के बाद 10.40 लाख रूपये सेवा निधि के रूप में दी जावेगी। यदि वे नहीं लेते हैं तो लगभग 10000/- रूपये प्रतिमाह प्राप्त कर सकते हैं जिसे पेन्शन का एक रूप मान सकते हैं। वायु सेना की गाइड लाइन्स के अनुरूप ऑनर ऑफ अवार्ड भी मिलेंगे। लेफ्टीनेंट जनरल पुरी ने कहा है कि देश की सेवा में बलदान देने वालों को (अग्निवीरों को) एक करोड़ का मुआवजा मिलेगा।

अग्निपथ योजना के विरोध में देश जल रहा है, उत्तर ही नहीं दक्षिण में भी आगजनी हो रही है। देश की सम्पत्ति जलाई जा रही है और सरकारी व प्राइवेट प्रोपर्टी को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। रेल्वे ट्रेक अग्निपथ हो रहे हैं- रेलें, बसें, मोटरसाईकिलें, स्टेशन और अन्य सार्वजनिक सम्पत्तियों को आगजनी से नुकसान हुआ है। सफर करने वाले यात्री परेशान हैं। 14 राज्यों में आगजनी हुई है। उपद्रव हो रहे हैं। 21 ट्रेनें जलाई गई। एक ट्रेन की कीमत 30 करोड़ रूपये है एक इंजन 12 करोड़ रूपये का है तथा एक एसी कोच 2-5 करोड़ रूपये का है। रेल्वे की सम्पत्ति और यात्रियों को रिफण्ड मिलाकर एक हजार करोड रूपये का नुकसान हुआ। 12 लाख यात्रियों की यात्रा रद्द हुई। 922 ट्रेनें रद्द हुई। 120 ट्रेनें आंशिक रूप से रद्द हुई। भारत बंद के समय 500 ट्रेनें बंद हुई। 40 से अधिक शहरों में पत्थर बाजी हुई है इससे होने वाला तथा बसें आदि के जलाने का नुकसान अलग है। शहरों के बीच घनी आबादी में पत्थर कहां से आये, यह प्रश्न मुंह खाये खड़ा है। पत्थर बाजी सुयोजित सी कई शहरों में दिखाई दे रही है। यह भी स्पष्ट होता जा रहा है, इसके पीछे कौन-कौन हैं? सेना ने स्पष्ट किया है कि युवाओं को भड़काने में कोचिंग संचालक भी जिम्मेदार हैं।

सेना की भर्ती अग्निपथ योजना अनिवार्य नहीं है, फिर इतना हंगामा क्यों? जेएनयू के प्रोफेसर मकरंद परांजये ने सही कहा है कि 'अगर किसी को पसंद न हो तो वह भर्ती की अर्जी न दे आन्दोलन की क्या जरूरत है'। नौकरी की सुरक्षा व पेंशन की मांग का यह अर्थ तो नहीं हो सकता कि "आप सार्वजनिक सम्पत्ति को नष्ट करके राज्य को आपको रोजगार देने के हेतु मजबूर करें"। हिंसक आन्दोलन का गांधी के देश में कोई स्थान नहीं है।

> **अग्निपथ योजना एक कम्पलीट पैकेज है। नया दृष्टिकोण है। योजना को वर्तमान रूप देने में लगभग 250 बैठकें और 750 घंटे वार्ता हुई है। रक्षा मंत्रालय, सेना व सरकार के कई विभागों ने भाग लिया है। कई देशों में इस प्रकार की योजना का चलन है। पीडब्ल्यूडी आदि में वर्कचार्ज, केजूअल व नियत समय के सेवा अनुबंध प्रचलन में हैं जहां पेन्शन नहीं दी जाती।**

भारतीय संविधान में प्रत्येक नागरिक के लिये मूल कर्त्तव्य निर्धारित किये हैं। अनुच्छेद 51क में मूल कर्त्तव्य दिये हैं, उनमें निम्नलिखित कर्त्तव्य प्रमुख हैं :-

(1) अनुच्छेद 51क (घ) :- देश की रक्षा करें और आव्हान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करें।

(2) अनुच्छेद 51(झ):- सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करें और हिंसा से दूर रहें।

ऊपर चरणों में स्पष्ट किया है कि अग्निपथ योजना में भर्ती के हेतु एप्लाई करना अनिवार्य नहीं है। अतः वह यदि पसंद नहीं करता तो फिर वह क्यों आंदोलन करना चाहता है, समझ से परे है। यों रक्षामंत्री, गृहमंत्री अमित शाह, तीनों सेना प्रमुख व डोभाल व अन्य कई लोगों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह योजना बहुत लाभकारी है और युवाओं को स्वर्णिम अवसर प्रदान करता है। ऐसा प्रतीत होता है सेना में भर्ती को भी राजनैतिक रंग दे दिया है और कई राजनैतिक पार्टियां आन्दोलनकारी युवाओं के पीछे खड़ी हो गई हैं। यह भी शंका के घेरे में है कि भर्ती में अर्जी देने वाले इस भीड़ में कितने हैं। यह निर्विवाद पूर्ण है कि नेतागण व तथाकथित युवा सभी भारतीय नागरिक हैं और इस कारण संविधान के अनुच्देद 51क में दिये गये कर्त्तव्यों में उपचरण (झ) व (घ) में दिये गये कर्त्तव्यों के विरूद्ध उनका आचरण है। इन्हें आंदोलन का अधिकार नहीं है क्योंकि ये या तो हिंसा में लीन हैं अथवा देश की सेवा नहीं करना चाहते तथा अन्य Abatement के दोषी हैं।

'अग्निपथ योजना' के कई लाभ हैं 171/2 वर्ष से 21 वर्ष की उम्र में ही वह इतना कमा सकता है कि नौकरी न मिलने पर सरकार से कम ब्याज पर ऋण लेकर व्यापार भी कर सकता है। कई राज्यों को जैसे हरियाणा, यूपी, उत्तराखण्ड आदि ने नौकरी में वरीयता देने की बात की है। अग्निवीरों को 48 लाख तक का इंश्योरेन्स कवर भी मिलेगा।

25 प्रतिशत को नौकरी में रखने की शर्त प्रति स्पर्धा को जम्न लेगी और हमें इस प्रकार बहुत अच्छे सैनिक मिलेंगे। संविधान ने भी युवाओं को आव्हान किया है कि देश को आवश्यकता होने पर वे देश की सेवा करेंगे। अग्निपथ योजना इसी प्रकार का आव्हान है। आन्दोलन हिंसक हुआ है और सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान जबकि उनकी रक्षा करना संवैधानिक कर्त्तव्य है।

दिनांक 19 जून की तीनों सेनाओं की ओर से स्पष्ट किया है कि अग्निपथ योजना का मूल उद्देश्य यह है कि सेनाओं और युवाओं को अधिक ताकतवर बनाना है और घोषणा की है अग्निपथ योजना वापिस नहीं होगी रोलबैक नहीं की जावेगी। सेना में अनुशासनहीनता के लिये कोई स्थान नहीं है। अग्निपथ योजना के तहत भर्ती होने वाले अग्निवीरों को आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र भी देना होगा कि वह किसी भी हिंसक आंदोलन में शामिल नहीं रहा है। उनकी जांच कराई जावेगी।

लेफ्टिनेंट पुरी ने कहा कि वर्ष 1989 में अग्निपथ योजना पर विचार हुआ था। किन्तु निरन्तर प्रयत्न करने पर अब सफलता प्राप्त हुई है। अग्निपथ योजना एक कम्पलीट पैकेज है। नया दृष्टिकोण है। योजना को वर्तमान रूप देने में लगभग 250 बैठकें और 750 घंटे वार्ता हुई है। रक्षा मंत्रालय, सेना व सरकार के कई विभागों ने भाग लिया है। कई देशों में इस प्रकार की योजना का चलन है। पीडब्ल्यूडी आदि में वर्कचार्ज, केजूअल व नियत समय के सेवा अनुबंध प्रचलन में हैं जहां पेन्शन नहीं दी जाती। इसलिये यह कहना कि जल्दी में बिना सोचे यह योजना लागू की गई है सही नहीं है। यह सही है कि योजना में कुछ संशोधन हुये हैं, किन्तु कहा जा सकता है कि विवाद को सुलझाने के हेतु सरकार ने कुछ बातें मान ली हैं क्योंकि योजनाओं में नीतिगत सुधार की आवश्यकता हमेशा रहती है।

माननीय सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दिनांक 20.06.2022 को एम एल शर्मा एडवोकेट ने एक पीआईएल दायर कर यह अनुतोष चाहा है कि मिनिस्ट्री ऑफ डिफेन्स द्वारा जारी की गई विज्ञप्ति दिनांक 04.06.2022 अवैध, असंवैधानिक, अनाधिकृत व शून्य (Void) है। पिटीशनर का केस है कि अधिकारी जो परमानेंट कमीशन पर भर्ती लेते हैं वे 60 वर्ष तक सेवा में रह सकते हैं किन्तु अग्निवीरों को जो अग्निपथ योजना में भर्ती होंगे उनमें से केवल 25 प्रतिशत ही लिये जावेंगे, शेष का भविष्य अंधकार में है, उन्हें सेवा से 4 वर्ष बाद निकाल दिया जावेगा। स्पष्ट है दोनों सेवाओं का उद्देश्य अलग-अलग, कंडीशन ऑफ सर्विस भी अलग है अतः अग्निपथ योजना न तो अवैध है और न असंवैधानिक। इस पिटीशन में यह स्वीकार किया है अग्निपथ योजना में भर्ती चाहने वालों का आन्दोलन हिंसक है, उन्होंने रेलों को जलाया है और सार्वजनिक रास्तों को ब्लाक किया है सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाया है। ये दोनों ही कार्य मूल अधिकारों के अनुच्छेद 51क (घ) व 51क (झ) के विरूद्ध है, इस प्रकार पिटीशनर जिन लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं वे देश के नागरिक का कर्त्तव्य नहीं निभाने के कारण पिटीशन प्रस्तुत करने के ही अधिकारी नहीं है। सार्वजनिक सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्ति को भी कोर्ट में पिटीशन दायर करने का Locus Standi नहीं रखता है।

अन्य पिटीशनस् भी पेश हुई है उसमें एसआईटी का गठन कर, जो सार्वजनिक सम्पत्ति रेल्वे का नुकसान हिंसक आंदोलन से हुआ है, उसकी जांच कराने और हर्जा वसूली करने के अनुतोष की मांग की है। दिनांक 21.06.2022 के आदेश से सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन पीठ ने इन्हें माननीय मुख्य न्यायाधीश के समक्ष प्रेषित किया जावे। सरकार ने भी पक्षकार बनने के लिए केवियट प्रस्तुत किया है।

सत्यमेव जयते!

-अतिथि सम्पादक,

पानाचन्द जैन

पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

कई वर्षों से आयकर की दरें व नियम वेतनभोगी कर्मियों के लिए अव्यवहारिक

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

आजकल इनकम टैक्स रिटर्न विभाग को जमा करने की चर्चायें जोरों पर हैं। ऐसा सदैव होता है क्योंकि रिटर्न जमा करने की आखिरी तारीख 30 जून होती है। चाणक्य नीति के अनुसार राज्य को व्यक्ति की कमाई से कुछ भाग टैक्स के रूप में लेने का नियम बना हुआ है और पीछे जाएं तो मैं कह सकता हूं कि कमाई से टैक्स के रूप में राज्य को 1/6 भाग लेने का नियम राजा हर्षवर्धन के काल में भी प्रचिलित था।

यहां प्रश्न उठता है कि वर्तमान में जो टैक्स की दरें राज्य ने निर्धारित कर रखी हैं वे पूर्व में प्रचिलित दरों में संशोधन होते-होते वर्तमान स्वरूप में आई हुई हैं यह पता नहीं लगता कि दरों में बदलाव एवं पुनर्निर्धारण किन मापदण्डों के आधार पर किया जाता है? राज्य आर्थिक समीक्षा तो करवाता है परन्तु उसकी भी विश्वसनीता संदिग्ध है। अतः मेरा कहना है कि वर्तमान आयकर दरें और उनके नियम अव्यवहारिक तो हैं ही, वर्तमान परिप्रेक्ष्य में असंतुलित एवं आयकर दाता को गरीब की सीमा की ओर धकेलती रहती है। निचले स्तर के आयकर दाता को इस समय यही समस्या सबसे अधिक सालती और कष्ट देती है। यहां एक बड़ा प्रश्न है कि वेतनभोगी टैक्स बचाने के उपाय क्यों ढूंढ़ते रहते हैं? व्यापार करने वाले तो अपनी कमाई छिपाने के अनेक यत्न कर लेते हैं तथा दस लाख की आय करने वाले वेतन भोगी भी किसी संस्थान को चंदा आदि देकर अपना टैक्स घटा लेते हैं। लेकिन 5 लाख से 10 लाख आय अर्जित करने वाले लोग बहुत ही कठिन परिस्थितियों में जीवन चला पाते हैं उन्हें समाज में एक सम्मानीय जीवन स्तर भी ढोना पड़ता है। उच्च न्यायालय के जजों ने जन प्रतिनिधियों को मिलने वाली पेंशन व अन्य सुविधाएं देने पर ऐतराज़ यही कह कर प्रतिवेदन ख़ारिज किया कि एक सम्मान जनक जीवन जीने के लिए ये सुविधाएं जनप्रतिनिधियों को दिया जाना जरूरी है। इससे क्या यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि अन्य को वैसी सुविधायें सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक नहीं? क्या एक वेतन भोगी को जनप्रतिनिधि की पेंशन व अन्य परिलाभ के बराबर निम्नतम वेतन नहीं मिलना चाहिए? ताकि वेतन भोगी भी सम्मानजनक जीवन जी सके लेकिन यथार्थ में ऐसा नहीं होता, फ़लस्वरूप विसंगतियां बढ़कर असंतोष पैदा करती हैं। मैं यह मानता हूं कि वित्त मंत्री को सभी का सामाजिक और आर्थिक स्तर मालूम नहीं होता है फिर भी राज्य के पास अनेक आर्थिक विशेषज्ञ मौजूद रहते हैं। क्या उनकी कोई भूमिका वित्त मंत्री को आयकर दरों के बदलाव व् संशोधन के समय सलाह देने की नहीं होती है? क्या देश की जनता से कोई फीडबैक इसके लिए लिया जाता है संभवतः नहीं तो फिर सरकार जनता की तो है लेकिन जनता के लिए संभवतः बिलकुल नहीं।

जहां तक टैक्स चोरी की बात है निम्न श्रेणी के लोग अपेक्षाकृत बहुत कम बेईमान हैं और संपन्न व धनी सबसे अधिक बेईमान व चोर। इनमें भी राजनैतिक लोग सबसे अधिक भ्रष्ट और बेईमान हैं। क्या यह सरकार को पता नहीं? पता है और सरकार ही ऐसे लोगों को पोषती है। ऐसे में क्या किया जा सकता है? आयकर की निम्नतम दर 5 प्रतिशत है वो भी 2.5 लाख से 5 लाख तक। क्या 5 लाख से 10 लाख आय की श्रेणी के लिए आयकर की दर 10 प्रतिशत नहीं हो सकती थी जो 5 प्रतिशत से उछलकर सीधे 20 प्रतिशत 10 लाख की आय तक क्या 10 प्रतिशत की दर अप्रत्याशित व वाजिब नहीं थी? क्या यह प्रोविजन केवल छोटी आय वालों को नींबू के समान निचोड़ने के लिए नहीं किया गया?

वेतन भोगियों के लिए कितने नाटक समितियां, कमीशन, बहस और पता नहीं क्या क्या? मुझे याद है जब मोरारजी भाई वित्त मंत्री थे, वे सदैव विलासिता की वस्तुओं पर टैक्स लगाते और टैक्स की दरें ऐसी निर्धारित की जाती जिससे किसी को कोई शिकायत नहीं होती। नशे की वस्तुएं, फ्रीज़, कूलर, मोटरगाड़ी, आदि अनेक उत्पादों को वे टैक्स की परिधि में रखते। आम आदमी के उपयोग में आने वाली चीजें कम मूल्य पर ही उपलब्ध होती। दरें भी ऐसी होती कि लोग सहर्ष उन्हें स्वीकार करते। उस समय जनप्रतिनिध भी सदन में तैयारी कर आते और सामान्य वस्तुओं के मूल्य न बढे, उसके लिए सदन में सरकार को घेर लेते। अब ऐसा नहीं होता बजट अमूमन कॉन्फिडेंटिअल होता है जब तक कि उसे सदन में पेश न कर दिया जाय। अब शासन में जो राजनैतिक पार्टी होती है उसका कोई भी सदस्य बजट के बारे न तो कोई कमी बताता और न ही कोई संशोधन।

ढाई लाख वार्षिक वेतन पाने वाले वेतन भोगी को प्रति माह वेतन 20834 रुपये पड़ता है अर्थात 694 रुपये प्रतिदिन, जो एक स्किल्ड लेबर की मज़दूरी होती है। वेतन भोगी कर्मचारी को तथाकथित सम्मानजनक जीवन के लिए कम से कम 7000 से 8000 रुपये माहवार पर किराये का मकान मिलेगा, यदि वो शादी शुदा और दो बच्चे भी हैं, तो उनकी स्कूलिंग, आदि पर कम से कम 1500 से 2500 प्रतिमाह शिक्षा पर, चार प्राणियों की कपडे ड्रेस आदि पर 2500, खाद्य पदार्थ दूध, घी, तेल, शक़्कर, आटा, चावल-दाल, सब्जी, मसाले आदि पर 12 से 15 हज़ार के बीच व अन्य आकस्मिक आवश्यक खर्च, माता-पिता व अन्य सम्बन्धियों से व्यवहार व किसी पारिवारिक उत्सव पर 500 से 600 रुपया प्रति माह।

वर्तमान में अनेक तथाकथित विशेषज्ञ टैक्स से सम्बंधित विडिओ बना कर सोशल मीडिया को पाट रहे हैं और कह रहे हैं कि 12 लाख वार्षिक आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। लोगों को भ्रमित करने का षड्यंत्र और कुछ नहीं। मैंने कही पढ़ा था कि कुल आयकर का साठ प्रतिशत छोटे और मध्यम वर्ग से राजस्व आता है। वास्तविकता में मध्यम वर्ग अब 10 से 30 लाख आय का है। दस लाख तक तो निम्न आय वर्ग ही है। दस से तीस लाख आय की श्रेणी को फिलहाल निम्न मध्यम और उच्च मध्यम में बांटा जा सकता है। सरकार को चाहिए कि बिना अगले बजट का इंतज़ार किये मिड टर्म संशोधन कर 10 लाख तक की आय इनकम टैक्स से तुरंत प्रभाव से मुक्त करे। कर्मचारिओं के बिभिन्न संगठनों को भी चाहिए कि वे अपने कर्मचारिओं के हित हेतु यह मांग सरकार को रखे। क्योंकि माँ भी बिना रोये बच्चे को दूध नहीं पिलाती।

- प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
उदयपुर-राजस्थान

रीछड़ा पंचायत की करीब 100 बीघा भूमि पर भूमाफियाओं का कब्जा

- **चारागाह भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ ग्रामीणों का प्रदर्शन**
- **भीलवाड़ा-शाहपुरा मार्ग पर जाम लगा विरोध जताया**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में ग्राम पंचायत रीछडा की सौ बीघा चरागाह भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग को लेकर तीन बार प्रशासन को ज्ञापन देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने भीलवाड़ा-शाहपुरा मार्ग पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। सैंकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गये और जमकर प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत रीछडा की 300 बीघा चरागाह भूमि है। उसमें से करीब 100 बीघा पर भूमाफियाओं ने अतिक्रमण कर रखा है। कई भूमाफियाओं ने पक्के मकान तक बना लिये। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर पूर्व में ग्राम पंचायत रीछडा को लिखित में सूचना देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद तहसीलदार व एसडीएम को भी लिखित में सूचना दी है लेकिन उनकी तरफ से भी कोई एक्शन नहीं लिया गया।

इस कारण भूमाफियाओं के हौंसले बुलंद हो गये और वे बेखौफ होकर अतिक्रमण करते जा रहे है। इससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त हो गया। ग्रामीणों ने इस संबंध में जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया था, जिसमें दस दिन में उचित कार्रवाई नहीं होने पर गांव वालों के द्वारा रोड जाम करने की चेतावनी भी दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि इस चेतावनी व मांग के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों का गुस्सा फूट पडा और आज सडक पर उतर कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना था कि अतिक्रमण की समस्या से ग्रामीण खासे परेशान हैं। आवारा पशु सड़कों पर बैठे रहते हैं।

जाम की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मय जाब्ता मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों से समझाइश का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण कलेक्टर को मौके पर बुलाने और हाथों-हाथ कार्रवाई की मांग करने लगे। बाद में तहसीलदार मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों की मांग सुनी। मौका निरीक्षण किया जो भी अतिक्रमी मौके पर मिला, उसे अतिक्रमण हटा लेने की चेतावनी दी। इसके बाद ग्रामीण आश्वस्त हो गये और जाम खोल दिया।

राशन डीलर ने अनाज वितरण में फर्जीवाड़ा किया, मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत निशुल्क मिलने वाले गेहूं को राशन दुकानदार ने निजी हित में इस्तेमाल किया। दुकानदार ने राशन कार्ड धारकों को गेहूं बांटा ही नहीं। राशन कार्ड धारकों की ओर से जिला रसद अधिकारी को दी गई शिकायत के बाद जांच में इसका पता चला। इस बारे में भादरा पुलिस थाना में ग्राम कलाना के उचित मूल्य दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है।

जानकारी के अनुसार भादरा के कार्यवाहक प्रवर्तन निरीक्षक देवकरण स्वामी निवासी साहवा ने रिपोर्ट दी कि ग्राम कलाना के 4 राशन कार्ड धारकों की ओर से शिकायत की गई थी कि उन्हें उचित मूल्य दुकानदार रतनसिंह ने जून 2021 महीने में खाद्य सुरक्षा के तहत मिलने वाला गेहूं बांट दिया और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में निशुल्क मिलने वाला गेहूं नहीं दिया, लेकिन उनके राशन कार्ड में निःशुल्क गेहूं भी जोड़कर वितरण करना बताया है। जिला रसद अधिकारी हनुमानगढ़ ने ग्राम पंचायत कलाना के उचित मूल्य दुकानदार रतनसिंह के खिलाफ शिकायत मिलने पर 30 जून 2021 को मौके पर पहुंचकर जांच की। इस दौरान बयानों में शिकायतकर्ता दिलीप, सावित्री देवी, रामी और आदराम ने बताया कि उनको 10 जून 2021 को उचित मूल्य दुकान से अतिरिक्त गेहूं नहीं मिला है।

शिकायतकर्ताओं के बयानों के अनुसार पाया गया कि दुकानदार रतनसिंह ने इन राशन कार्ड धारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अतिरिक्त निःशुल्क गेहूं का वितरण नहीं किया। इस प्रकार उचित मूल्य दुकानदार की ओर से कुल 75 किलोग्राम गेहूं का निजी हित में दुरुपयोग किया गया है। उचित मूल्य दुकानदार की ओर से राजस्थान खाद्यान्न एवं अन्य आवश्यक पदार्थ आदेश 1976 के तहत जारी प्राधिकार पत्र की शर्तों का उल्लंघन किया गया है। जांच रिपोर्ट के अनुसार उचित मूल्य दुकानदार ने 13 किलोग्राम दाल, 40 किलोग्राम चीनी, 350 किलोग्राम गेहूं एवं 17.50 लीटर केरोसिन का गलत ट्रांजैक्शन किया है।

कृषि विभाग के अधिकारियों की अनदेखी: फागी क्षेत्र में नकली बीज बिक रहा है

- **किसानों ने कृषि मंत्री से नकली बीज की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की**

फागी, (निसं)। एक तरफ तो केंद्र व राज्य सरकार किसानों के लिए नाना प्रकार की योजनाएं चलाकर किसानों को लाभान्वित करने का ढिंढोरा पीट रही हैं लेकिन दूसरी ओर कृषि विभाग के अधिकारियों की अनदेखी से फागी कस्बे सहित क्षेत्र में नकली बीज का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। जिससे किसान ठगा सा महसूस कर रहा है।

किसानों ने बताया कि क्षेत्र के किसान दुकानदारों का विश्वास कर बीज खरीद कर बुवाई कर देते हैं। परंतु नकली बीज होने से फसल नहीं उग पाती। जिससे किसानों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है। जिससे किसानों के मन में धोखेबाजी होने की आशंका हमेशा बनी रहती है। किसानों ने खाद बीज के व्यापारियों की जांच करने व नकली बीज के कारोबार पर रोक लगाने की मांग की है। फागी उपखंड क्षेत्र के किसान हरिराम ने बताया कि सरकार ने एक तरफ तो किसानों को नाना प्रकार की लाभान्वित योजनाएं देने का ढकोसला पीट रही है, वहीं दूसरी ओर सरकार के अधिकारियों की अनदेखी से नकली बीज का कारोबार फल-फूल रहा है। जिससे किसानों को कई बार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान शंकर गुर्जर ने बताया कि गत वर्ष भी किसानों को व्यापारी ने मूंगफली का नकली बीज दे दिया था, जिससे फसल नहीं उगी, जिससे क्षेत्र के किसानों को हजारों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। क्षेत्र में नकली बीज बिकने की सूचना कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को होने के बावजूद भी अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। संबंधित अधिकारी शिकायत कर्ता को यह कहकर टरका देते हैं कि आप झूठ बोल रहे हैं। नकली बीज बेचने वाले व्यापारी का सबूत लाओ, तो कार्रवाई करें। जिससे किसानों ने कृषि विभाग के अधिकारियों पर लीपापोती करने का आरोप लगाते हुए किसानों ने संयुक्त हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन कृषि मंत्री को भेज कर फागी कस्बे सहित उपखंड क्षेत्र में चल रहे नकली बीज के निर्माताओं व विक्रेताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

कृषि अधिकारी रेखा चौधरी का कहना है कि पूरे जिले में नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ अभियान चला रखा है। टीमें गठित कर जगह-जगह दबिश देकर नकली बीज बेचने वाले व्यापारी व निर्माताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में फागी खाद बीज विक्रेता संघ के अध्यक्ष कन्हैया लाल माहेश्वरी का कहना है कि अगर कोई दुकानदार नकली बीज बेचता पाया जाता है तो यूनियन उसकी किसी भी प्रकार की मदद नहीं करेगी।

राशिफल शुक्रवार 24 जून, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2079, अश्विनी नक्षत्र प्रातः 8:04 तक, सुकर्मा योग शनिवार प्रातः 5:13 तक, बव करण दिन 10:27 तक, चन्द्रमा मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मीन, बुध-वृष, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग सूर्योदय से प्रातः 8:04 तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:04 तक रहेगा। राजयोग रात्रि 11:13 से सूर्योदय तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:21 तक, लाभ-अमृत 7:21 से 10:46 तक, शुभ 12:29 से 2:12 तक, चर 5:37 से सूर्योदय तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:20

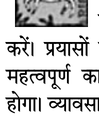

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

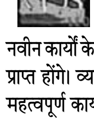

सिंह

धार्मिक कार्यों के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

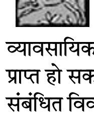

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों से अनबन हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ने का भय है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मकर

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

तुला

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033 वर्ष: 47 संख्या: 251 प्रभात कोटा, शुक्रवार 24 जून, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

वो कौन सी महत्वपूर्ण ताकतें व कारक थे जिनके कारण 4000 वर्ष पहले चीन की संस्कृति में उल्लेखनीय उद्‌विकासी उछाल आया? एक नए शोध ने एक बड़ी सांस्कृतिक तरक्की चिन्हित की है, जिसने संस्कृति में उच्च स्तर के बदलाव की शुरुआत की। शोधकर्ताओं का दावा है कि, शराब बनाने की तकनीक में हुए एक महत्वपूर्ण आविष्कार, जिसने ''मास बिअर प्रोडक्शन'' को संभव बनाया, का प्राचीन चीनी लोगों पर गहरा असर पड़ा। इस आविष्कार ने, इन लोगों के लिए, विशाल स्तर पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब सेवन का मौका संभव बनाया। चीन तथा युनाइटेड स्टेट्स के वैज्ञानिकों की एक टीम ने, ''अर्किओलॉजिकल एण्ड एन्थ्रोपोलॉजिकल साइन्सेज़ ''नाम के जर्नल में अपना अध्ययन प्रकाशित किया है, जिसमें बताया गया है कि, ''मास बिअर प्रोडक्शन टैक्नॉलजी'' के परिणाम स्वरुप प्राचीन चीन के नवपाषाण युगीन लोगों में जानकारी का आदान-प्रदान तथा व्यापारिक गतिविधियाँ बहुत बढ़ गईं। वैज्ञानिकों ने अपने लेख में लिखा है कि, इस ''फरमैन्टेड एल्कोहॉल प्रॉडक्ट'' को लेकर जो उत्साह व जोश था, उसने ही अंततः राजवंशीय चीनी सभ्यता के जन्म की शुरुआत की। कुछ विशेष सांस्कृतिक प्रथाओं द्वारा पैदा हुए नए सामाजिक संपर्क ऐसे बीज हैं, जिनसे अधिक बड़ी, अधिक विकसित और अधिक महत्वाकांक्षी सभ्यताएं उभरकर आ सकती हैं। तथा हज़ारों साल पहले चीन में, मास बिअर प्रोडक्शन ने, बड़े समारोहों और इनके परिणामस्वरुप बड़े सोशल नैटवर्क्स के लिए एक प्रमुख रास्ता मुहैय्या करवाया। चौथी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के आस-पास प्राचीन चीनी सभ्यता लोगों को नज़दीक लाने वाली और आपस में जोड़ने वाली होने लगी। विभिन्न शक्तियों व कारकों के कारण पूर्व के विभाजन खत्म होने लगे। इन परिस्थितियों ने चीन के प्रथम राजवंश, शिया राजवंश के आरोहण के लिए, 2070 ईसा पूर्व के आसपास मंच तैयार किया। शिया राजकुल के नेता, एक ऐसे देश में प्रभावी रुप से शासन करने में सफल रहे जो अब एक संयुक्त उद्देश्य व पहचान को अधिक मजबूती से महसूस कर रहा था और 4000 वर्ष पहले चीन में आए इस उद्‌विकासी उछाल में मास बिअर प्रोडक्शन बहुत मददगार साबित हुआ। सन् 2021 में प्रकाशित, डार्टमथ कॉलेज के एक अध्ययन में सामने आया कि, चीन के जेजैंग प्रान्त के एक कब्रगाह से खुदाई में मिले, अनुष्ठानों में काम आने वाले बर्तनों में रैड राइस बिअर के संरक्षित अंश थे, जिससे इस बात की पुष्टी हुई कि, विशेष रुप से इस ड्रिंक का बहुत लंबे समय से सेवन किया जा रहा था।

अन्ततोगत्वा शिव सेना की कमान ठाकरे परिवार के हाथ में ही रहेगी?

अभी तक मु.मंत्री उद्धव ठाकरे ने पूरे प्रकरण में न तो बागी शिव सैनिकों को ना ही भाजपा को कुछ भी भला बुरा कहा है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 जून। राजनैतिक टिप्पणीकारों के विभिन्न वर्ग महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तथा शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के राजनैतिक अन्त का मर्सिया लिखने में लगे हुये हैं।

इसमें कोई शक नहीं कि ठाकरे इस समय एक बहुत बड़े संकट से जूझ रहे हैं। कुल 42 विद्रोही विधायक, जिनमें 7 निर्दलीय विधायक भी शामिल हैं, असम में डेरा डाले हुये हैं तथा मुख्यमंत्री के ''पहुँच से परे'' होने, जैसे मुद्दों पर सार्वजनिक रूप से बयान दे रहे हैं। ठाकरे बगावती विधायकों से मुम्बई लौट आने की अपील कर रहे हैं तथा कह रहे हैं कि अगर पार्टी विधायक कहते हैं तो वे मुख्यमंत्री पद से त्यागपत्र देने के लिये तैयार हैं। भाजपा इन दोनों समस्याओं का आँकलन कर रही है, उन्हें तोलकर देख रही है कि शिवसेना के एकनाथ शिंदे-गुट गुट के समर्थन से सरकार बनाई जाये या फिर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगवा दिया जाये।

महाराष्ट्र के घटनाक्रम से भाजपा के खेमे में जो खुशी की लहर दौड़ रही है, उसके कारण साफ हैं। सबसे पहला कारण- महाराष्ट्र सर्वाधिक धनवान राज्य है तथा 467 अरब अमेरिकन डॉलर की जी.डी.पी. वाले इस राज्य की जी.डी.पी. सभी राज्यों से ज्यादा है तथा इतना सम्पन्न एवं समृद्ध राज्य विपक्षी दलों की पकड़ से बाहर हो जायेगा। दूसरा कारण- ठाकरे की ब्रॉन्ड वैल्यू आंशिक रूप से तो कम हो ही जायेगी तथा उनकी छवि खराब हो जाने से भविष्य में महाराष्ट्र में भाजपा के लिये, अपने बल पर सरकार बनाने का रास्ता साफ हो जायेगा। लेकिन संकट यह है कि शिवसेना की राजनीति ठाकरे परिवार के साथ जुड़ी रही है तथा आगे भी इसी परिवार से जुड़ी रहेगी। अभी तक, उद्धव ठाकरे ने न तो एकनाथ शिंदे गुट की आलोचना की है और न भाजपा पर ही दोषारोपण किया है।.

यद्यपि शिंदे गुट सबसे पहले भाजपा-शासित गुजरात ही गया था, फिर भी शिवसेना प्रमुख ने ''गुजरात बनाम महाराष्ट्र'' के परम्परागत प्रचार एवं अभियान का सहारा नहीं लिया है। अगर उद्धव ठाकरे ने इस प्रकार के मुद्दों पर शिवसेना कार्यकर्ताओं को सड़क पर उतरने का आव्हान कर दिया, तो महाराष्ट्र की नई सरकार के समक्ष कानून-व्यवस्था की समस्या से निबटने की समस्या पैदा हो सकती है। हालाँकि, इतनी बड़ी संख्या में पार्टी विधायकों के पार्टी से चले जाने पर वे भौंचक्के एवं स्तब्ध हैं, फिर भी, ठाकरे अपने पत्ते बड़ी सावधानी एवं सतर्कता से खेल रहे हैं। उन्होंने अपना सरकारी बँगला छोड़ दिया है तथा अपने पुराने एवं पैतृक मकान, ''मातोश्री'' में चले गये हैं। उनका यह कदम एक ऐसा कदम है कि इससे उन्हें पार्टी कार्य कर्ताओं के बीच समर्थन की लहर पैदा करने में मदद मिलेगी। वे विद्रोही विधायकों से बार-बार लौट आने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **भाजपा इस पूरे प्रकरण से अभी तक काफी प्रसन्न है। पहला कारण तो यह है कि, देश का सबसे ''कैश रिच'' राज्य, जिसकी जी.डी.पी. 467 अरब डॉलर है, अब विपक्ष के नियंत्रण से निकल रहा है। दूसरी वजह है, ''बाल ठाकरे'' परिवार की छवि को धक्का लगा है, और इससे राज्य में शुद्ध भाजपा सरकार बनने की संभावना मजबूत होती है।**
- **पर अभी उद्धव ठाकरे को खत्म मानना, तार्किक रूप से भी सही नहीं।**
- **ठाकरे के मु.मंत्री निवास छोड़ कर ठाकरे परिवार के परम्परागत घर पर शिफ्ट होने से उन्हें जन सहानूभूति मिली है।**
- **बड़ी होशियारी से उन्होंने बागी शिव सेना विधायकों के पहले तो गुजरात के सूरत शहर शिफ्ट होने, और फिर आसाम जाने पर कोई टिप्पणी नहीं की। महाराष्ट्र बनाम गुजरात का मुद्दा भी नहीं बनाया। और, बार-बार बागियों को महाराष्ट्र लौटने का आव्हान कर रहे हैं; इसका भी अच्छा असर हो रहा है, शिव सैनिकों पर।**

बाइकों की धरपकड़

जोधपुर, 23 जून (का.सं.)। जोधपुर शहर में इन दिनों ट्रैफिक पुलिस बाइकर्स पर नजर रखे हुए हैं। एक अभियान के तहत उन बाइकर्स की बाइक जब्त कर रही है जो एयर पॉल्यूशन बढ़ा रही है। बाइकर्स अपनी बाइक में साइलैंसर मोडिफाई करवाते हैं। इससे साइलेंसर से आवाज तेज हो जाती है और स्पार्किंग से पटाखे की तरह आवाज निकालते हैं।

- **एक ही दिन में आठ बाइक पकड़ीं और जुर्माना लगाया। अब तक 35 गाड़ियां जब्त की गयी हैं जोधपुर में।**

ट्रैफिक पुलिस कार्यवाही कर इस तरह ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले बाइकर्स के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। आज एक दिन में रिक्तिया भैरुजी चौराहे पर 8 बाइक जब्त की गई। ट्रैफिक पुलिस की टीम ने एक ही दिन में एक पॉइंट से 8 बाइक जब्त करने की सफलता पर एडीसीपी चैन सिंह माहेचा खुद मौके पर पहुंचे और टीम को बधाई दी। एडीसीपी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इतिहास में पहली बार मेवाड़ के पांच विधायक राष्ट्रपति पद के प्रस्तावक होंगे

राष्ट्रपति पद चुनाव में प्रस्तावक के रूप में दिल्ली पहुंचे मेवाड़ के 5 आदिवासी विधायक

उदयपुर, (कासं)। भाजपा नेतृत्व वाले नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) द्वारा आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने के बाद मेवाड़ के आदिवासी विधायकों को प्रस्तावक बनने के अवसर मिला है और मेवाड़ के पांच विधायक दिल्ली पहुंच गए हैं।

भाजपा आलाकमान के शॉर्ट नोटिस के बाद गुरूवार को दिल्ली पहुंचने वाले ये 5 विधायक हैं उदयपुर ग्रामीण विधानसभा से विधायक फूलसिंह मीणा, सलूम्बर विधान सभा से अमृतलाल मीणा, झाड़ोल विधान सभा क्षेत्र से बाबूलाल खराड़ी, पिण्डवाड़ा से सम्भाराम गरासिया, घड़ी से कैलाश मीणा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति पद के लिए आदिवासी महिला को प्रत्याशी बनाने का कार्ड खेलने के बाद भाजपा ने प्रस्तावक भी आदिवासी विधायकों को बनाया है। गौरतलब है कि राजस्थान व गुजरात में आदिवासियों की काफी संख्या है और विधानसभा में आदिवासियों के लिए राजस्थान में 25 तथा गुजरात में 27 सीटें आरक्षित है। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि मेवाड़ अंचल मेवाड़ के पांच विधायक राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी के प्रस्तावक बनेंगे। प्रस्तावकों की घोषणा होने के बाद उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने बताया कि उनके परिवार में दो लोग बीमार हैं लेकिन यह काम महत्वपूर्ण होने के कारण वे दिल्ली जा रहे है। उन्होंने कहा कि यह पहला अवसर है कि किसी आदिवासी को राष्ट्रपति बनने का मौका मिल रहा है। इसलिए हम अपना कर्तव्य निभाने दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं।

विधायकों को शार्ट नोटिस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **जैसा कि विदित ही है, आदिवासी विधायकों के लिए राजस्थान में 25 तथा गुजरात में 27 सीटें आरक्षित हैं।**

सिंघवी, सैलजा सी.डब्ल्यु.सी. में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 23 जून। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गुरूवार को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सी. डब्ल्यू.सी.) का विस्तार कर दिया। उन्होंने वरिष्ठ अधिवक्ता तथा पार्टी प्रवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी (63) तथा हरियाणा की पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष

- **कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस वर्किंग कमेटी का विस्तार करते हुए अभिषेक मनु सिंघवी व कुमारी सैलजा को सी.डब्ल्यु.सी. का सदस्य नियुक्त किया।**

कुमारी शैलजा (59) को इसका सदस्य नामजद कर दिया । ज्ञातव्य है कि सी.डब्ल्यू.सी. कांग्रेस की निर्णय लेने वाली सर्वोच्च समिति है।

उन्होंने पूर्व सांसद तथा फिल्म

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अडानी के ''सैल्स एजेन्ट'' कौन?

कांग्रेस ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि, प्र.मंत्री मोदी ने श्रीलंका के राष्ट्रपति पर दबाव लगाया कि, अडानी ग्रुप को ''पवन ऊर्जा'' प्लांट लगाने का काम दिया जाये

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 23 जून। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अडानी के ''सेल्स एजेंट'' के रूप में कार्य कर श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे पर दबाव बनाने और सरकार के स्वामित्व वाले स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (एस.बी. आई.) द्वारा अडानी ग्रुप को ऋण देने के बार-बार किए जा रहे प्रयासों को लेकर गुरूवार को एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) से मांग की कि वह इनकी जांच करे। पार्टी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने राजपक्षे पर दबाव बनाया था कि वह एक विंड पावर प्रोजेक्ट अडानी को दे दे।

पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यहाँ एक प्रैस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वे यहाँ अनेक उदाहरणों में से केवल दो उदाहरण ही दे रहे है, जहाँ केन्द्रीय एजेंसियों, जिनमें प्रवर्तन निदेशालय भी शामिल है, ने नजरें बचा लेना बहतर समझा। उन्होंने कहा कि पहले प्रकरण में, श्रीलंका के सरकारी स्वामित्व वाले ''सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड'' के चेयरमैन ने उस देश के संसदीय पैनल के समक्ष मोदी की यह भूमिका उजागर की थी। बोर्ड के चेयरमैन ने कहा था कि ''माननीय प्रधानमंत्री (मोदी) एक दूसरे देश (श्रीलंका) में (भारत के) एक व्यक्ति विशेष को व्यवसायिक लाभ देने के लिये कथित रूप में जोर दे रहे थे। वल्लभ ने पूछा कि क्या भ्रष्टाचार का यह केस जाँच-पड़ताल किये जाने योग्य नहीं है।

एक अन्य प्रकरण के अनुसार, मोदी सरकार के 2014 में सत्ता में आते ही एस.बी.आई. ने अडानी ग्रुप के साथ 1 अरब डॉलर (7,825 करोड़ रू0) का सैद्धान्तिक इकरारनामा (इन-प्रिन्सिपल ऐग्रीमेन्ट) तैयार किया था, लेकिन इसे वापस लेना पड़ा तथा एम ओ.यू.रद्द कर देना पड़ा। 2020 में, एस.बी.आई. ने अडानी के ऑस्ट्रेलिया स्थित का निकेल कोयल प्रोजेक्ट का 5000 करोड़ रू0 का एक अन्य ऋण दे दिया। यह निवेशकों के दबाव के कारण रूका पड़ा है। पिछले एक साल ऋण की स्थिति (लोन स्टेटस) के बारे में अद्यतन जानकारी नहीं मिली है।

प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने कहा कि यह सब ऐसा लगता है, जैसे किसी ने अडानी ग्रुप को ऋण उपलब्ध कराने के लिये संयुक्त प्रयास किया गया था। क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने मांग की कि, ई.डी. जाँच करे कि, प्र.मंत्री लगातार अडानी ग्रुप के ''सैल्स एजेन्ट'' के रूप में काम क्यों कर रहे हैं।**

सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज

बीदासर, 23 जून (नि.स.)। युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ है। युवती के मामा ने मौहल्ले के दो युवकों के खिलाफ यह मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस के अनुसार युवती के मामा ने मामला दर्ज करवाया कि 22 जून को ''हम सारे परिवार सहित चुरू मायरा भरने के लिये गये थे और मेरी वृद्ध मां को भाई के घर छोड़कर गये थे। उनकी देखरेख के लिये मेरी भानजी को घर पर ही छोडकर गये थे। गत 22 जून की रात्रि में करीब 11 बजे मौहल्ले के ही दो युवकों ने घर में प्रवेश किया ये लोग भानजी के साथ गलत हरकत करने लगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **बीदासर में एक 20 वर्षीय युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती के मामा ने मौहल्ले के दो युवकों के खिलाफ केस दर्ज करवाया।**

दवा मर्ज से ज्यादा खतरनाक साबित हो सकती है!

मंहगाई (इन्फ्लेशन) पर काबू पाने के लिये, बैंक ब्याज दर बढ़ा रहे हैं। आशा है जनता कम पैसा उधार लेगी बैंकों से, तो मार्केट में ''करैन्सी'' कम होगी, अतः, चीज़ों के दाम कम होंगे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जून। क्या दुनिया में आर्थिक मंदी आने वाली है? इस तथ्य को लेकर जितनी गंभीरता बरती जा रही है, यह प्रश्न उतनी ही तेजी से उभर रहा है। दुनिया के केन्द्रीय बैंक मंहगाई पर लगाम कसने को लेकर जो नीतियां बना रहे हैं, उनसे मंदी आ सकती है तथा और बेरोजगारी ज्यादा बढ़ सकती है।

हमने अब तक रुस की वर्ष 1917 की क्रांति के बारे में जाना है कि ''वे दस दिन ऐसे थे जिन्होंने पूरी दुनिया को हिला दिया था। वर्तमान में अब ऐसा ही एक दृष्टिकोण जनमानस में अपनी जगह बना रहा है।''

लंदन की इकोनॉमिस्ट मैग्ज़ीन दुनिया के बड़े केन्द्रीय बैंकों द्वारा नए सिरे से बनाई गई नीतियों का उल्लेख उन आठ दिनों के रुप में कर रही है, जिन्होंने दुनिया को हिला दिया। मैग्ज़ीन कहती है कि इनकी शुरुआत सैन्ट्रल बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने से हुई। उसके बाद यूरोपियन सैन्ट्रल बैंक, बैंक ऑफ जापान और फिर अमेरिका के फैडरल रिजर्व बैंक ने अपनी नीतिगत दरों में वृद्धि की।

हमारे खुद के रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी. आई) ने इनका पूर्वानुमान पहले ही कर लिया था और ब्याज दरें पहले ही बढ़ा दी थी। रिज़र्व बैंक कह रहा है कि जब तक महंगाई नियंत्रित नहीं हो जाती, कीमतों में और वृद्धि हो सकती है। वास्तव में आर.बी.आई यह चेतावनी दे रहा है कि दो वर्षों तक रही कोविड की वैश्विक महामारी के बाद अर्थव्यवस्था की नाजुक स्थिति को देखते हुए यह भी जरुरी है कि अर्थव्यवस्था में तेजी लाने वाले कारक मंद ना पड़ जाएं।

- **पर, अगर, ''औद्योगिक एक्स्पैन्शन'' कम हुआ, क्योंकि लोग उत्पादन बढ़ाने के लिये मशीनें, रॉ मटीरियल कम खरीदेंगे, तो, बेरोजगारी बढ़ेगी। बेरोजगारी बढ़ने से, मार्केट में बिक्री कम होगी और दाम बढ़ेंगे।**
- **ब्याज दर बढ़ाने का यह नतीज़ा होगा, यह आशंका तो थी ही। पर, अब यह आशंका यथार्थ में बदलती जा रही है, विश्व में। उदाहरण के लिये, अमेरिका में महंगाई उस स्तर पर पहुंच गयी है, जहां गत चालीस साल में नहीं पहुंची थी।**
- **भारत की स्थिति जरूर कुछ फर्क है। भारत की इकॉनमी ''इनवर्ड लुकिंग'' है, अतः ब्याज दर बढ़ने के बावजूद, औद्योगिक उत्पादन घटा नहीं है।**

बहरहाल, थोड़ा बहुत भय है। ब्याज दरों में वृद्धि वित्तीय बाजारों में एक ऐसी स्थिति निर्मित कर रही है जो विकास के लिए अभिशाप है। वैश्विक वित्तीय बाजारों में पहले ही घबराहट है। नीतिगत दरों में बढ़ोतरी से वे बच नहीं पा रहे है।

ब्याज दरों में हुई वृद्धि के दो पहलू हैं। पहला तो ब्याज दरों में वृद्धि मुख्यत: मंहगाई का मुकाबला करने के लिए की गई है। पूरी दुनिया में कीमतें बढ़ रही हैं। कुछ देशों में तो कीमत वृद्धि अभूतपूर्व रही है। उदाहरण के तौर पर अमेरिका में मंहगाई की दर 8.6 प्रतिशत रही जिसे पिछले 40 वर्षों में सर्वाधिक बताया जा रहा है। कीमतों में इतनी अधिक वृद्धि हुई है कि जनता क्रुद्ध हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने देश की जनता को सार्वजनिक रुप से पुन:आश्वस्त करना चाहते हैं कि वह बढ़ती कीमतों से हो रही मुश्किलों को कम करने के लिए हरसंभव प्रयत्न करेंगे। आगामी मध्यवर्ती चुनावों के संदर्भ में इसकी आवश्यकता ज्यादा ही बढ़ जाती है।

दूसरा ब्याज दरों में वृद्धि की चर्चा पिछले कुछ समय से एक सुधारात्मक उपाय के रुप में की जा रही है जो कि ऐसी विशिष्ट मौद्रिक नीतियां हैं जिन्हें वैश्विक महामारी के विपरीत प्रभावों का मुकाबला करने के लिए अपनाया गया है। वैश्विक महामारी के कारण उभरते बाजारों और गरीब देशों की अर्थव्यवस्थाओं में भी कमी आ गयी। लॉकडाउन और नौकरियां खोने के कारण जनता को हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए सब्सिड़ीज, राशन तथा नकद राशि दी गयी। अधिकांश देशों में वित्तीय घाटा बढ़ चुका है। वास्तव में, वर्ष 2008 में आई आर्थिक मंदी के बाद से ही समायोजक कदम उठाए जाने शुरु हो गये थे और कुछ हल्के रुप में ये आज भी जारी है। इन्हें कभी ना कभी पलटा जाना होगा और आर्थिक नीति के मापदंडों को सामान्य स्तरों पर लाना होगा।

तथापि, जब कभी भी ब्याज दरों में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रेप के आरोपी को सजा

अलवर, (निसं)। अलवर के पोक्सो कोर्ट नंबर एक में जज ने रेप के आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई है। हालांकि पीड़िता ने आरोपी को पहचानने से इंकार कर दिया था, लेकिन सबूतों के आधार पर जज ने आरोपी को सजा सुनाई। नाबालिग के पिता ने ही आरोपी के खिलाफ रेप का मुकदमा दर्ज कराया था। लेकिन बाद में कोर्ट में मुकर गया और नाबालिग ने भी आरोपी को पहचानने से मना कर दिया। इस पर कोर्ट ने एफएसएल और डीएनए रिपोर्ट के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हालांकि पीड़िता ने कोर्ट में आरोपी को पहचानने से मना कर दिया पर कोर्ट ने डी.एन.ए. और एफ. एस.एल. रिपोर्ट के आधार पर रेप होना माना व आरोपी को दस साल की सजा सुनाई।**

धमकी देकर किशोर गृह के अधीक्षक पर नाबालिग ने की फायरिंग

आरोपी पूर्व में किशोर गृह में बंद रह चुका है

धौलपुर, (निस)। राजकीय बाल सम्प्रेषण एवं किशोर गृह धौलपुर के कार्यालय अधीक्षक पर बुधवार देर रात एक नाबालिग द्वारा जान से मारने की नीयत से फायरिंग करने का मामला प्रकाश में आया है। इसमें अधीक्षक बाल-बाल बच गया। अधीक्षक ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

बाल सम्प्रेक्षण एवं किशोर गृह धौलपुर के अधीक्षक दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि बुधवार शाम को वह अपने अधीनस्थ कर्मचारी गोरेलाल के साथ राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह धौलपुर परिसर में बैठा हुआ था। इसी समय एक नाबालिग हाथ में पिस्तौल लेकर परिसर में घुस आया। जिसने धमकी देते हुए पूछा कि यहां जेलर कौन है। किशोर ने धमकी भरे अंदाज में कहा कि किसकी हिम्मत है कि मुझे भरतपुर जेल में भेजे। इसके बाद उसने पिस्तौल को हवा में लहराते हुए फायर कर दिया। इसके बाद नाबालिग आरोपी ने अधीक्षक पर पिस्तौल तानकर दो फायर किये। इस दौरान अधीक्षक ने पानी की टंकी के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई। आरोपी ने जाते-जाते मैन गेट के पास से पीड़ित को जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने पूरी घटना की जानकारी नजदीकी पुलिस चौकी एवं सदर थाना प्रभारी को फोन पर दी।

इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया एवं सीसीटीवी कैमरे के फुटेज खंगाले। अधीक्षक ने ऑफिस रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि आरोपी वर्ष 2021 में बाल संप्रेषण गृह धौलपुर में बंद रह चुका है। इसकी सूचना पुलिस थाना सदर धौलपुर को भिजवा दी गई।

अधीक्षक ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना कचनपुर, कोतवाली धौलपुर, थाना निहालगंज धौलपुर, थाना सैंपऊ में कई मुकदमे दर्ज हैं। पीड़ित अधीक्षक ने एसपी से किशोर गृह परिसर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाए जाने व मैन गेट पर चौबीसो घंटे हथियारबंद सुरक्षा जवान लगाने की मांग की है।

किशोर गृह अधीक्षक ने घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी।

- **फायरिंग के दौरान अधीक्षक ने पानी की टंकी के पीछे छिपकर अपनी जान बचाई**

डॉ. सतीश पूनिया का चित्तौड़गढ़ के बड़ी सादड़ी में भव्य स्वागत-अभिनंदन, उमड़ा जनसैलाब

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने भगवान श्रीकृष्ण के प्रसिद्ध तीर्थ श्रीसांवलिया सेठ के दर्शन कर प्रदेश की तरक्की व खुशहाली की कामना की

बड़ी सादड़ी में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 8 वर्ष के सुशासन के उपलक्ष्य में भाजपा के प्रदेश स्तरीय जनसंपर्क अभियान के तहत चित्तौड़गढ़ प्रवास पर पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया का बड़ी सादड़ी में कार्यकर्ताओं एवं आमजन द्वारा भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया।

डॉ. पूनिया ने निम्बाहेड़ा में भारत की एकता और अखंडता के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले, जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया साथ ही मोदी सरकार की सफलतम 8 वर्ष की ऐतिहासिक उपलब्धियों को लेकर पत्रक बांटकर आमजन से संवाद गया। इस दौरान डॉ पूनिया के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सीपी जोशी, पूर्व मंत्री श्रीचंद कृपलानी, विधायक कल्पना देवी सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डॉ. पूनिया ने प्रदेश के सबसे छोटे और घाटी में बसे कनेरा मंडल (चित्तौड़) के कार्यकर्ताओं के साथ मंडल अध्यक्ष जुगल किशोर धाकड़ के नेतृत्व में बूथ सशक्तिकरण को लेकर चर्चा की और घाटी स्थित माता जी के दर्शन कर प्रदेश की तरक्की की कामना की। कनेरा घाटा क्षेत्र में डॉ. पूनिया ने महाराज उत्तम स्वामी का आशीर्वाद लिया। चित्तौड़ढ़ में भगवान श्रीकृष्ण के प्रसिद्ध तीर्थ श्री सांवलिया सेठ के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की तरक्की व खुशहाली की कामना की। डॉ. सतीश पूनिया ने कपासन से पूर्व विधायक बद्री जाट के बड़े भाई मोहन जाट के निधन पर आज उनके निवास स्थान सिंहपुर ग्राम(चित्तौड़गढ़) पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

इससे पहले वे मंगलवाड पहुंचकर बड़ी सादड़ी से विधायक ललित कुमार ओस्तवाल की सुपुत्री के विवाह में सम्मिलित हुये।

युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, सिर के बाल काटे और गाड़ी भी तोड़ी

जैसलमेर, (निसं)। जैसलमेर में बदमाशों ने एक युवक के साथ मारपीट कर उसको निर्वस्त्र कर और सिर के बाल काट कर तथा उसकी गाड़ी को तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अलर्ट हुई।

सदर थानाधिकारी देवकिशन ने बताया कि पीड़ित युवक केसुओं की बस्ती का बताया जा रहा है तथा मारपीट करने वाले युवक सोजियों की ढाणी चांधन के बताए जा रहे हैं। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है तथा एक युवक को पकड़ा है। पीड़ित के बयानों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर घटना की पड़ताल कर रहे हैं। मामला एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर का बताया जा रहा है, जिसके चलते युवक के साथ हैवानियत की गई। पीड़ित अली खान के चाचा के लड़के ने गुरुवार को मुकदमा दर्ज करवाया है।

थानाधिकारी ने बताया कि हमने मुकदमा दर्ज कर लिया है तथा घटना में शामिल एक युवक को गिरफ्तार भी कर लिया है। बाकी युवकों की भी तलाश जारी है।

- **मामला एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर का बताया जा रहा है, जिसके चलते युवक के साथ हैवानियत की गई**

पाकिस्तान बॉर्डर पर तेज धमाके के साथ दिखी रोशनी

सूरतगढ़, (निसं)। राजस्थान में पाकिस्तान बॉर्डर से सटे इलाकों में हुई एक घटना ने सभी को हैरान कर दिया। यहां आसमान में तेज धमाके के साथ दिखी रोशनी से सनसनी फैल गई।

बताया गया कि यह रोशनी पाकिस्तान बॉर्डर की तरफ जा रही थी। घटना श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ में करीब 8:30 बजे की है। आसमान में अचानक तेज धमाके के साथ एक रोशनी दिखाई दी। रॉकेट जैसी दिखने वाली यह रोशनी धीरे-धीरे आगे बढ़ती दिखी। इस दौरान कुछ लोगों ने इसका वीडियो भी बना लिया। यह रोशनी सूरतगढ़ के अलावा बीकानेर, खाजूवाला और रावला तक दिखाई दी। आशंका है कि बॉर्डर के आस-पास ये जमीन पर गिरे हैं। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। इस घटना के बारे में स्थानीय प्रशासन जानकारी जुटाने में लगा है। सूत्रों के हवाले से ये जानकारी मिली है कि 8-10 आग के गोलों का यह समूह सूरतगढ़ के आसमान से गुजरा था। पाकिस्तान के बॉर्डर क्षेत्र की तरफ यह रोशनी जाती हुई दिखाई दी थी। यह आग के गोले उल्का पिंड हैं या कुछ और इसकी अभी तक पुष्टि नहीं हो पाई है।

8.60 लाख की नकदी व 3.50 लाख के जेवर चोरी का मामला दर्ज

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना इलाके के घडमाला में चोर सूने घर के दरवाजे और अलमारी के ताले खोलकर 3 लाख 50 हजार के जेवर और 8 लाख 60 हजार नगद चोरी करके ले गए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिछीवाडा थानान्तर्गत घडमाला में चोर सूने घर के दरवाजे और अलमारी के ताले खोलकर 3 लाख 50 हजार के जेवर और 8 लाख 60 हजार कैश चोरी करके ले गए। घटना एक महीने पहले की है।

इस दौरान पीडित अपने स्तर पर सामान खोजने में लगे रहे और सफलता नहीं मिलने पर बुधवार शाम को मामला दर्ज कराया है। बिछीवाडा थाना क्षेत्र के घडमाला निवासी रविराज पुत्र भूपेंद्र सिंह राजपूत ने केस दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में बताया कि 23 मई को उसके परिवार के सभी लोग काम से बाहर गए थे। घर पर काम करने वाली सविता पत्नी विशाल खराडी निवासी घडमाला अकेली थी। वहीं घर के पीछे की तरफ ही गणेश भगोरा निवासी आंतरसोबा समेत 5 मजदूर बाउंड्रीवॉल बनाने का काम कर रहे थे। घर की चाबी घर के बाहर ही चौक में एक गमले के नीचे हमेशा रहती है। वहां से चाबी निकालकर सविता घर में साफ-सफाई करती थी और जाते वक्त चाबी वहीं रखकर चली जाती है। 27 मई को मां कृष्णा कुंवर ने अलमारी को खोलकर देखा तो जेवरात की पोटली नहीं मिली। वहीं उसी अलमारी में एक बैग में रखे 8 लाख 60 हजार भी चोरी हो गए। पत्नी दीपमाला कुंवर समेत परिवार के सभी लोगों ने काफी खोजबीन कीए लेकिन कोई पता नहीं लग सका।

रविराज ने रिपोर्ट में बताया कि अलमारी में रखे सोने के कंगन, पाटले, अंगूठी, पायल, रिंग, हाथफुल सहित 695 ग्राम सोने के जेवरात चोरी हो गए। वहीं, अलमारी से 8 लाख 60 हजार रुपए का कैश भी चोरी हो गया है। रविराज ने रिपोर्ट में ये भी बताया कि वारदात के बाद से बाउंड्रीवाल बनाने वाले मजदूर भी काम पर नहीं आ रहे हैं। फिलहाल पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी।

जेईई-मेन-2022: पहले दिन बी-आर्क की परीक्षा हुई

कोटा, (निसं)। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई। पहले दिन बी आर्किटेक्चर के लिए परीक्षा हुई। कोटा में एकमात्र परीक्षा केन्द्र पर यह परीक्षा हुई। बूंदी स्थित वेदांत इंजीनियरिंग कॉलेज में निर्धारित मापदण्ड के आधार पर यह परीक्षा आयोजित की गई। बीई-बीटेक के लिए मुख्य परीक्षा 24 जून से शुरू होगी, जो कि 29 जून तक चलेगी। यह परीक्षा देश-विदेश के 521 परीक्षा शहरों में आयोजित की जाएगी।

यह परीक्षा 12 शिफ्टों में सुबह 9 से 12 एवं दोपहर 3 से 6 बजे तक होगी। प्रवेश पत्रों में स्टूडेंट्स को परीक्षा संबंधित सभी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए है। पहले सेशन के लिए 9 लाख विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है। कोटा में चार परीक्षा केंद्र बनाये गए है जिसमे गुरुकुल इंस्टिटयूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रानपुर में दो परीक्षा केंद्र,, बाल कृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी रानपुर, वेदांत कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी जाखमुंड बूंदी शामिल है।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि स्टूडेंट्स पेपर प्रारंभ होने से 10 मिनट पूर्व दिए गए सिस्टम पर लॉगिन कर सकता है। लॉगिन कर स्टूडेंट्स को दिए गए इंस्ट्रक्शंस को अच्छी तरह से पढ्ना चाहिए। स्टूडेंट्स परीक्षा के दौरान प्रश्न पत्रों को हल करने की स्पीड एवं एक्यूरेसी में संतुलन बनाए रखें, ताकि उनका प्रश्न पत्र निर्धारित समय में हल हो सकें।

भिवाड़ी में लूट की नीयत से बैंक के सामने दिनदहाड़े फायरिंग

अलवर, (निसं)। भिवाड़ी में गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे यस बैंक के सामने दिनदहाड़े महिला पर हुई 4 से 5 राउंड फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। लूट की नीयत से की गई फायरिंग में गनीमत रही कि किसी को गोली नहीं लगी। बदमाश लूट की वारदात में कामयाब भी नहीं हो पाए।

जानकारी के अनुसार भिवाड़ी के रीको चौक पर स्थित यस बैंक के सामने एक महिला व पुरुष बैग में रुपए लेकर जा रहे थे तभी अचानक दो व्यक्तियों ने आकर उन पर अंधाधुंध फायरिंग कर रुपए से भरा बैग छीनने की कोशिश की गई। लेकिन महिला ने बैग को कसकर पकड़े रखा जिससे बदमाश लूट करने में सफल नहीं हुए। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग जैसे ही इकट्ठे हुए बदमाश महिला को छोड़कर पीछे से आ रही एक बाइक पर बैठकर फरार हो गए। पीड़ित महिला और पुरुष घबराते हुए दूसरी साइड में निकल गए।

घटना की सूचना पर भिवाडी पुलिस एसपी शांतनु कुमार सिंह, एडिशनल एसपी विपिन शर्मा, भिवाडी थाना अधिकारी जितेंद्र सोलंकी, डीएसपी जसवीर मीणा सहित क्यूआरटी की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान क्यूआरटी टीम ने आरोपियों का पीछा करते हुए एक आरोपी को पकड़ लिया। साथ ही उसके कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। पुलिस को पीड़ित महिला व पुरुष का अभी तक कोई सुराग नहीं लग पाया है। वहीं अभी तक किसी ने एफआईआर भी दर्ज नहीं कराई है। पुलिस ने मौके से 3 खाली कारतूस भी बरामद किए हैं। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। पुलिस अभी इस मामले में कुछ भी बताने के लिए तैयार नहीं है। कहना है अभी तक उनके पास पीड़ित की कोई रिपोर्ट नहीं आई है और ना ही अन्य बदमाशों का पता चल पाया है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

- **क्यूआरटी टीम ने एक आरोपी को दबोचा**

आरपीएससी ने दिया संशोधन का अवसर

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा भू-जल विभाग के पद कनिष्ठ भू-भौतिकविद, कनिष्ठ भू-जल वैज्ञानिक तथा तकनीकी सहायक-रसायन एवं भू-जल विज्ञान की परीक्षा का आयोजन 1 एवं 2 अगस्त को किया जाना है। इस परीक्षा में आयोग द्वारा अभ्यर्थियों को शुक्रवार से ऑनलाइन संशोधन का अवसर दिया जा रहा है। आयोग के संयुक्त सचिव आशुतोष गुप्ता ने बताया कि 24 जून से 3 जुलाई तक अभ्यर्थी का नाम, फोटो, पिता का नाम, जन्म तिथि व जेंडर के अतिरिक्त सभी प्रकार के संशोधन ऑनलाइन किये जा सकेंगे। ऑफलाइन संशोधन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। परीक्षा के लिए जारी विज्ञापन में उल्लेखित पात्रता की शर्तों के अनुरूप ही संशोधन मान्य होंगे। विज्ञापन की शर्तें पूर्वानुसार ही रहेंगी।

घना में 25 व 28 जून को होगी पानी की आपूर्ति

इन दो दिन आमजन के लिए चम्बल पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी

भरतपुर, (निसं)। जिला कलेक्टर आलोक रंजन ने कहा कि भरतपुर की अर्थव्यवस्था में घना पक्षी विहार की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसके लिए हमें इसकी आवश्यकता पर ध्यान देना होगा। जिला कलेक्टर आलोक रंजन गुरूवार को कार्यालय कक्ष में मीडियाकर्मियों से वार्ता करते हुए घना पक्षी विहार की जल संबंधी व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में अनेक प्रकार की चिडियां एवं पक्षी घना एवं आस-पास के क्षेत्र में नेस्टिंग के लिए आते हैं लेकिन घना में जल की कमी को देखते हुए पक्षियों के ठहरने के लिए पर्याप्त जल की व्यवस्था करने के संबंध में अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर कार्य योजना तैयार की है। इसके लिए इस माह की 25 एवं 28 तारीख को चम्बल पेयजल की सप्लाई आमजन के लिए बाधित कर घना पक्षी विहार के लिए जल आपूर्ति करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने बताया कि घना पक्षी विहार के लिए वर्षा जल के साथ ही गोवर्धन ड्रेन एवं पांचना बांध से भी पानी उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे घना एवं पक्षियों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए 25 एवं 28 तारीख को बाधित होने वाली चम्बल पेयजल सप्लाई में अपना सहयोग करें।

मीडियाकर्मियों से वार्ता करते जिला कलेक्टर आलोक रंजन।

बारिश के बाद किसान बुआई में जुटे

सुजानगढ़ क्षेत्र में मानसून से पहले हुई अच्छी बारिश

सुजानगढ़, (निसं)। क्षेत्र में मानसून से पहले अच्छी बारिश होने से किसानों ने खेतों का रूख कर लिया है। अच्छी बरसात होने से किसान प्रसन्न है तथा उसने खेतों में बुआई करनी शुरू कर दी है। किसानों द्वारा दिन भर खेतों में ट्रैक्टरों से हल जुताई तथा बुआई का कार्य किया जा रहा है। किसानों ने बारिश की संभावना को देखते हुए पहले ही अपने खेतों में देसी खाद व खेतों की साफ-सफाई करने का कार्य शुरू कर दिया था। बारिश के बाद किसानों ने अपने खेतों में बुवाई का कार्य शुरू कर दिया।

इससे अब चारों तरफ खेतों में किसानों के बुवाई करते हुए ट्रैक्टर नजर आ रहे है। किसान खेतों में बाजरा, मूंग, मोठ, तिल, ग्वार आदि की बुवाई का कार्य कर रहे हैं। किसान रामनारायण रूलाणियां बताया कि इस बार बरसात थोडी देर से हुई है, लेकिन अच्छी बरसात हुई है। जिससे अच्छे जमाने की उम्मीद की जा सकती है।

क्षेत्र में मानसून से पहले अच्छी बारिश होने से किसानों ने खेतों में बुवाई शुरू कर दी।

भीलवाड़ा में करोना के चार संक्रमित मिले

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले में कोरोना संक्रमण के केस अब लगातार बढ़ ने लगे हैं। गुरुवार को चार नये केस मिले हैं। इनमें 50 साल की महिला व 22 साल का युवक भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार एक दिन पहले 3 साल के मासूम सहित 9 लोग पॉजिटिव आये थे।

आरआरटी टीम प्रभारी डॉ. घनश्याम चावला ने बताया कि आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट में गुरुवार को चार लोग पॉजिटिव आये। इन सभी में आईएलआई सिम्टम्स थे। इनमें से तीन ने वैक्सीन की दोनों, जबकि एक ने एक डोज लगा रखी है। संक्रमितों में चपरासी कॉलोनी का 22 साल का युवक, कोटड़ी का 41 वर्षीय ग्रामीण, सुभाष नगर की 50 वर्षीय महिला और सांगानेर का 43 वर्षीय पुरुष शामिल हैं। सांगानेर व कोटड़ी के दोनों व्यक्ति जयपुर से लौटे हैं, जबकि दो अन्य की कोई ट्रैवलिंग हिस्ट्री सामने नहीं आई है।

जोधपुर शहर में 103 दिन बाद सर्वाधिक करोना मरीज मिले

एक दिन में 21 नए रोगी मिलने से चिकित्सा विभाग की चिंता बढ़ी

जोधपुर, (कासं)। शहर में कोरोना एक फिर से बढ़ ने लगे हैं। एक दिन में 21 नए रोगी सामने आने से चिकित्सा विभाग की चिंता बढ़ गई है। इन 21 में से 17 पॉजिटिव छुट्टियां मना कर अन्य राज्यों से जोधपुर लौटे हैं। ऐसे में शहर में कोरोना फैलने का कारण गर्मी की छुट्टियां भी मानी जा रही हैं।

शहर में 9 जोन में से 6 जोन में संक्रमित मिले हैं। सबसे ज्यादा महामंदिर जोन में 15 संक्रमित सामने आए हैं। शहर परकोटे से दो पॉजिटिव मिले हैं। मसूरिया, शास्त्री नगर, रेजिडेंसी आदि से 11 पॉजिटिव रोगी सामने आए है। वहीं ग्रामीण में वहां के 10 ब्लॉक से एक भी रोग संक्रमित नहीं मिला है। जोधपुर में वर्तमान में 64 एक्टिव केस हैं। कोरोना संक्रमितों का यह आंकड़ा 103 दिन बाद सर्वाधिक रहा है।

इसमें पहले 11 मार्च को 23 पॉजिटिव सामने आए थे। जोधपुर में कोरोना संक्रमण की दर बढ कर सीधे 6 फीसदी के पार चली गई हैं । जून के 22 दिनों में 110 संक्रमित मिल चुके हैं। संक्रमण की रफ्तार की बात करें तो जहां पहले 15 दिन में जहां 40 रोगी मिले थे अब वहीं 7 दिन में ही 70 संक्रमित सामने आए हैं।

- **इन 21 में से 17 पॉजिटिव छुट्टियां मना कर अन्य राज्यों से जोधपुर लौटे हैं**

उदयपुर में सात पॉजिटिव मिले

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गुरुवार को मिली 767 कोरोना जांच रिपोर्ट में सात कोरोना संक्रमित पाए गए है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश खराड़ी के अनुसार 7 कोरोना संक्रमितो में से 6 शहरी इलाके एवं 1 ग्रामीण इलाके से है। उन्होंने बताया कि इन्हें मिलाकर जिले में कोरोना संक्रमित रोगियों की संख्या 32 हो गई है। ये सभी होम आइसोलेशन में है।

सार-समाचार

स्काउट गाइड कौशल विकास प्रदर्शनी आयोजित

बूंदी (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड बून्दी द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय विकास नगर में संचालित कौशल विकास अभिरुचि केन्द्र में उप वन संरक्षक सोनल जोरिहार ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के माध्यम से चहुमुखी विकास होता है। उन्होंने अभिभावकों को रूचि अनुसार पढ़ाने तथा चहुंमुखी विकास करने पर जोर दिया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर करतार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को अनुशासन व पढाई के साथ राष्ट्र सेवा के कार्यों में जुड़ने को कहा। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मुख्य आयुक्त तेजकंवर ने कोशल विकास अभिरुचि शिविर की योजना की जानकारी देते हुए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित किए जाने पर जोर दिया। समाजसेवी भंवर लाल झवर ने प्रशिक्षण को बहुत उपयोगी बताया। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं प्रशिक्षकों सहयोगियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर आजीवन सदस्य के. सी. वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष भैरू प्रकाश शर्मा, लीडर ट्रेनर स्काउट देवीसिंह सैनानी, सहायक कमिश्नर युवराज सिंह, लक्ष्मी शर्मा, रोवर लीडर भवानी शंकर मोटसर ने ब्यूटीशियन, मेहंदी, सिलाई, आर्ट एंड क्राफ्ट, पेंटिंग, साजसज्जा इत्यादि विषयों में निर्मित सामग्री की सृजन प्रदर्शनी की प्रशंसा की। सी. ओ. स्काउट गिरिराज प्रसाद गर्ग ने बताया कि शिविर में स्काउट गाइड प्रशिक्षण के द्वारा नवीन सदस्यों को जोड़ा गया। हेमराज ओड, शिवचरन शर्मा, सत्यनारायण राठौर, रतनलाल बैरवा, रघुनंदन शर्मा, सुष्मिता कटारिया, माही जैन, अंजूलता, सुरेंद्र कुमावत, पीयूष जैन, सविता त्रिवेदी, अग्रज सदस्य, अभिभावक सहित स्काउट गाइड, रोवर रेंजर, कब बुलबुल, छात्र-छात्राएं सम्मिलित हुए।

योग शिविर का समापन

बूंदी (निसं)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन युवा शाखा के तत्वावधान में पंच दिविसीय योग शिविर संपन्न हुआ। जिला महामंत्री शुभम गोयल ने बताया की कार्यक्रम की शुरुआत अण्दीलाल अग्रवाल अध्यक्षअग्रवाल पंचायत ने गणेश जी और लक्ष्मी जी को माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ की। विशिष्ट अतिथि युवा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र अग्रवाल (किरवाडा), सभापति मधु नुवाल, पवन अग्रवाल, चैयरपर्सन कोमल जिंदल, जिला अध्यक्ष सुरेंद्र गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश जेथलिया, महामंत्री विजेंद्र जाजू, महिला जिला अध्यक्ष निर्मला पाटनी, महामंत्री मंजू जिंदल, नगर महिला अध्यक्ष नीलम हल्दिया , माहेश्वरी समाज अध्यक्ष भगवान बिरला, अग्रवाल मोमिया पंचायत अध्यक्ष महेश जिंदल, रामेश्वर पोकरा रहे। आयोजन समिति द्वारा अतिथियों कामाला व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया। योग गुरु दीपक गुर्जर एवं शक्ति तोषनीवाल के निर्देशन में भूपेंद्र योगी, कनक माहेश्वरी, प्रांशु सिंह के द्वारा सभी को शिविर का अंतिम योगाभ्यास करवाया गया। पांच दिवसीय शिविर में योग सिखाने वाले लाल योग के दीपक गुर्जर, भूपेंद्र योगी, प्रांशु सिंह गहलोत, कनक माहेश्वरी, बूंदी रनिंग क्लब के अध्यक्ष शक्ति तोषनीवाल का युवा शाखा द्वारा मुख्य अतिथि से अभिनंदन पत्र व स्मृति चिन्ह भेट कर सम्मान किया।

फिटनेस कैम्प का समापन

कोटा, (निसं)। जैन सोशल ग्रुप संगिनी, कोटा द्वारा इंद्रविहार में 7 दिवसीय वुमन फिटनेस कैम्प आयोजित किया गया। संगिनी ग्रुप की अध्यक्ष सीए निकिता जैन ने बताया कि महिलाएं परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए स्वयं की फिटनेस पर पूरा ध्यान नही दे पाती हैं जिससे उनको थायरायड, सर्वाइकल, कमर दर्द, रीढ़ की हड्डी में दर्द, जोड़ों में दर्द जैसी परेशानियों से जूझना पड़ता है। महिलाओं को हर उम्र में स्वस्थ बने रहने के लिए कुछ समय सेहत को भी देना होगा। प्रोजेक्ट डायरेक्टर कविता बाफना ने बताया कि 7 दिवसीय फिटनेस कैम्प मे इनशेप की निदेशक व एरोबिक्स कोच निशरीन बोहरा एवं योग ट्रेनर अजीता सेठी ने 50 से अधिक प्रतिभागी महिलाओं को रोजाना अलग-अलग विधियों से एरोबिक्स एवं योगाभ्यास करवाया। एरोबिक्स कोच निशरीन बोहरा ने बताया कि प्रतिदिन हर उम्र की महिलाओं को फ्लोर एरोबिक्स, कार्डियो स्ट्रेन्थ के लिये न्यूरोबिक्स, अमेरिकी म्यूजिक पर जुम्बा, भांगड़ा, योग, रिदम के साथ वॉकिंग व एरोबिक्स की प्रैक्टि्स करवाई गई। पतंजलि की मुख्य योग शिक्षक एडवोकेट अजीता सेठी ने बताया कि महिलाओं को कार्डियक एक्ससाइज, घुटनों के लिए माइक्रो मूवमेंट, सूर्य नमस्कार, आसन, योग, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास करवाया, जिससे वे रोज सुबह घर पर नियमित रूप से इनको सही ढंग से कर सके।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि मनाई

रामगंजमण्डी (निसं)। भारतीय जनता पार्टी रामगंजमंडी नगर द्वारा आज भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पिछड़ा वार्ड वार्ड नंबर 18 में जाकर वार्ड वासियों के बीच मनाई और उनके बलिदान को याद किया।पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय जनता पार्टी के सबसे पहले भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे पहली बार जब जनसंघ की सरकार बनी तो यह उद्योग मंत्री बने।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक मदन दिलावर भाजपा जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जैन भाजपा नगर महामंत्री अखिलेश मेडतवाल उप प्रधान सुनील गौतम प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश मेघवाल फौजी पूर्व वार्ड पार्षद राधा मीणा नंदलाल मीणा पूर्व पार्षद कमल गुर्जर महिला मोर्चा अध्यक्ष रुकमणी गहलोत पंचायत समिति सदस्य अजय मीणा भाजपा युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पवन दिलावर घनश्याम पाटीदार कथा वाचक संगीता पाटीदार पार्षद रामेश्वर अहीर धीरज जैन पंकज पारेता सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

रामगंजमंडी (निसं)। पंचायत समिति सदस्यों ने सरपंच के समकक्ष अधिकार देने के लिए राजस्थान सरकार के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया कि राजस्थान में पंचायत समिति सदस्यों को कोई अधिकार नहीं है, जबकि पंचायत समिति सदस्य 3 ग्राम पंचायतों या 2 ग्राम पंचायतों से निर्वाचित होकर आते हैं। इस तरह पंचायतों में सरपंचों को अधिकार दे रखे हैं, वैसे ही सभी सदस्यों को अधिकार दिया जाए ।जिससे पंचायत समिति सदस्य विकास कर सके जो अधिकार सरपंचों को है ,उनके ही समकक्ष पंचायत समिति सदस्यों को अधिकार दिया जाए। पंचायत समिति सदस्यों को पंचायती राज में पूरा अधिकार दिया जाए। ज्ञापन देने में प्रधान कलावती मेघवाल, उप प्रधान सुनील गौतम ,पंचायत समिति सदस्य अजय मीणा, ममता रैगर, नईम उद्दीन कुरेशी, स्वाति मीणा, अनीता वर्मा ,प्रेम बाई रायका, भीमराज गुर्जर, राधाबाई, रेखा बाई, नवनीत पारेता , जयवीर सिंह,काली बाई समस्त पंचायत समिति सदस्य मौजूद रहे।

कैम्पस प्लेसमेंट शिविर 27 जून को

बून्दी (निसं)। जिला रोजगार कार्यालय की ओर से 27 जून को रोजगार कार्यालय में एक दिवसीय केम्पस प्लेसमेट ऑनलाइन एव डिजिटल शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसमें बाहरी प्रतिष्ठित कम्पनी चेकमेट सर्विस प्राईवेट लिमिटेड, जयपुर के द्वारा बेरोजगार आशार्थियों का रोजगार के लिए प्रारंभिक चयन करेगी। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि ंशिवर में भाग लेने के इच्छुक बेरोजगार आशार्थियों की आयु 21 वर्ष से 35 वर्ष एवं शैक्षिणक योग्यता 10वीं व 12वीं तथा स्नातक पास होना जरूरी होगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल दस्तावेजों के साथ नियत तिथि को उपस्थित होकर अधिक से अधिक संख्या में लाभ उठा सकेंगे। शिविर में भाग लेने वाले आशार्थियों को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले में दो गिरफ्तार

छबड़ा (निसं)। लगभग डेढ़ माह पूर्व अनुसूचित जाति के युवक को मंदिर पर पूजा-पाठ करने से रोकने व जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने के मामले में छबडा पुलिस ने दो आरोपियों को गुरूवार को गिरफ्तार कर लिया है। सीआई नेकीराम ने बताया कि नदी दरवाजे के पास छीपा समाज का मंदिर है। यहां छीपा समाज के लोगों द्वारा पूजा-अर्चना की जाती है। मंदिर के पास रहने वाला पवन सौलंकी 29 मई को मंदिर पर पूजा करने गया तो छीपा समाज के कुछ लोगों ने धोबी समाज के लोगों द्वारा मंदिर में पूजा-अर्चना किए जाने का विरोध किया और गाली-गलौच कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। पुलिस ने इस मामले में छीपा मोहल्ला निवासी देवकीनंदन छीपा व राजू छीपा को गिरफ्तार कर लिया है।

वृहद वृक्षारोपण के संबंध में बैठक आज

झालावाड़, (निसं)। वन मण्डल अधीन वृहद वृक्षारोपण से संबंधित बैठक का आयोजन जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित की अध्यक्षता में 24 जून को सायं 5 बजे झिर नर्सरी में किया जाएगा। इस दौरान समस्त सरकारी विभागों में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम की रूपरेखा सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। यह जानकारी उप वन संरक्षक संग्राम सिंह कटियार द्वारा दी गई।

मिस, मिसेज, मिस्टर राजस्थान-2022 का आगाज

कोटा, (निसं)। मिस, मिसेज, मिस्टर राजस्थान 2022 का आगाज गुरूवार को क्रॉउन सेरेमनी के साथ हुआ। इस दौरान विजेताओं को दिए जाने वाले क्राउंट को प्रदर्शित किया गया। शो में

- 'फैशन इंडस्ट्रीज में भी कोटा पहचान बनाएगा'
- 'यहां से निकलने वाली प्रतिभाओं को बॉलीवुड में काम मिल रहा है'

कोटा में मॉडलिंग की प्रतिभाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है।

छोटे से लेकर बड़े शहरों की मॉडल्स कोटा में 23 से 26 जून तक अपना जलवा दिखाएंगी। ग्लैमर इंडिया ड्रीम मेकर्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजस्थान के कई शहरों से प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं।

आयोजक व ग्लैमर इंडिया के निदेशक डॉ जितेन्द्र शर्मा व रीता शर्मा (मकसेज स्लाड्स गैलेक्सी 2019) ने बताया कि चार दिनों तक प्रतिभागियों को कई तरह से ट्रेनिंग दी जाएगी, कई राउंट होंगे जिसमें उनको निखारा जाएगा। शॉ के दौरान टैलेंट राउंड, ट्रेडिशनल राउंड होगा जिसमें सभी प्रतिभागी अपने टैलेंट को प्रदर्शित करेंगे। कोचिंग में अपनी पहचान बना चुका कोटा अब फैशन इंडस्ट्रीज में भी अपनी पहचान बनाएगा।

रीता शर्मा ने बताया कि यदि प्रतिभागियों में टेलेंट है तो उन्हें आगे बढने से कोई नहीं रोक सकता, यहां निष्पक्ष रूप से सभी को समान अवसर दिया जा रहा है, जिसमें उनकी प्रतिभाओं को तराशा व तलाशा जाएगा, प्रतिभागी अपनी प्रतिभा के दम पर ही बड़े मंचों पर पहुंच सकेगा।

ग्लैमर इंडिया के साथ जुड़कर इससे पूर्व भी कई ऐसे मॉडल्स हैं जो वॉलीवुड में अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं, आलिया भट्ट हो या करण जोहर सभी के साथ काम कर रहे हैं। इसके साथ ही कई वेब सीरीज, टीवी सीरियल के साथ बड़े'' पर्दे पर भी अपनी प्रतिभा दिखा रहे हैं।

निदेशक जितेन्द्र सोनी ने बताया कि शो का ग्रेंड फिनाले 26 जून को होगा जिसमें फिनाले में बॉलीवुड सेलिब्रिटी करण मेहट आएंगे तथा मिसेज शैव्या माहेश्वरी (मिसेज रॉयल ब्यूटी 2019) मिसेज रोमा वराड़कर (मिसेज इंडिया पैसिफिक फर्स्ट रनरअप) मिस्टर रोहिताभ सोनी, मिस्टर हिमांशु अरोरा डेकृस डिजाइनर चिंटू खान, निधि सबरवाल, रोयल स्टाइल, शामिल होंगे।

रैंप वॉक ट्रेनिंग जयेश पाटील मुंबई द्वारा दी जाएगी। इसके साथ ही सिंगर चित्रा सोनी, व निषद सोनी भी अपनी परफोरमेंस देंगे। ऑफिशियल मेकअप पार्टनर रानी ब्यूटी जोन, मिसेज रमा विजय होंगी, डेकृस डिजाइनर चिंटू खान होंगे। ग्रेंड फिनाले में तीन राउंड होंगे साथ ही इंडिया लेवल शो में प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही नन्हे मुन्ने बच्चे भी अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करेंगे।

कृषि बजट पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

कोटा, (निसं)। कृषि बजट पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गुरूवार को जिला कलेक्टर हरि मोहन मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजन किया गया, जिसमें पीपल्दा विधायक रामनारायण मीणा सहित जनप्रतिनिधिगण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने कहा कि सरकार द्वारा इस बार किसानों एवं खेती को विशेष ध्यान में रखते हुए अलग से कृषि बजट प्रस्तुत किया था जिसका उद्देश्य किसानों की आय बढाकर उन्हें आधुनिक कृषि के लिए साधन सम्पन्न बनाना है। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से कम लागत में अधिक उपज लेने तथा खाद्य प्रंसस्करण के माध्यम से प्रगतिशील किसान बनाने के लिए संबंधित विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी धरातल पर ले जाकर किसानों को देनी होगी। उन्होंने कहा कि अनुदान योजनाओं का लाभ किसानों को बिना व्यवधान के मिले, उनकी समस्याओं का समय पर निराकरण किया जाये, जिससे उन्हें कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़े। उन्होंने किसानों से बीज व उर्वरक खरीद में अधिक राशि लेने वाले आदान विक्रेताओं के खिलाफ कार्यवाही करने के भी निर्देश दिये।

विधायक पीपल्दा रामनारायण मीणा ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में किसानों द्वारा जो भी आवेदन भरे जाये उनमें बिना देरी के समय पर स्वीकृति जारी हो। फार्मपौण्ड योजना, किसानों को कृषि कनेक्शन, पशु चिकित्सा केन्द्रों के माध्यम से नस्ल सुधान कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाये। उन्होंने लहसून खरीद के लिए सुल्तानपुर, इटावा व खातौली में खरीद केन्द्र बनाने तथा अनुदान योजनाओं की जानकारी ग्राम स्तर पर किसानों को देने का सुझाव दिया।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम मुर्तुजा अली बोहरा से बदलकर नया नाम मुर्तजा अली रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-मुर्तजा अली पुत्र अब्बास भाई बोहरा नगर पालिका के सामने बोहरा मोहल्ला भवानीमंडी झालावाड़ (राज.)

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम रागिनी कुमारी जैन से बदलकर नया नाम रागिनी जैन पत्नी अंशुल जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-रागिनी जैन पत्नी अंशुल जैन मकान न. 54-ए तलवंडी कोटा (राज.)

दिनांक : 23.06.2022

सूचना-आम

मेरे पक्षकार श्री सुमित कुमार मोदी पुत्र स्व. श्री रामनिवास मोदी, निवासी मोदी हाउस, गुमानपुरा कोटा राजस्थान से है । मेरे पक्षकार ''राम निवास मोदी चेरिटेबल ट्रस्ट'' पंजीकृत कार्यालय-मोदी हाउस गुमानपुरा कोटा में दिनांक 22.08.2000 से ट्रस्टी पद पर कार्यरत था । मेरे पक्षकार द्वारा अपने निजी कारणों की वजह से दिनांक 22.02.2022 को ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से त्याग पत्र (इस्तीफा) दे दिया है। यह कि दिनांक 22.02.2022 के बाद से मेरे पक्षकार श्री सुमित कुमार मोदी एवं मेरे पक्षकार के उत्तराधिकारी (वारिसान) का रामनिवास मोदी चैरिटेबल ट्रस्ट में कोई अधिकार शेष नहीं रह गया है /समस्त अधिकार दिनांक 22.02.2022 के बाद से स्वतः ही समाप्त हो गये हैं।

सूचित हो । एडवोकेट मोहम्मद अकरम, H.No.-76, नम्रता आवास, बजरंग नगर, कोटा

दिनांक : 23.06.2022

सूचना-आम

मेरी पक्षकारा श्रीमती बिमला देवी मोदी (बिमला मोदी) पत्नी स्व. श्री रामनिवास मोदी, निवासी मोदी हाउस, गुमानपुरा कोटा राजस्थान से है । मेरी पक्षकारा ''राम निवास मोदी चेरिटेबल ट्रस्ट'' पंजीकृत कार्यालय-मोदी हाउस गुमानपुरा कोटा में दिनांक 22.08.2000 से ट्रस्टी पद पर कार्यरत थी । मेरी पक्षकारा द्वारा अपनी अस्वस्थता का हवाला देते हुए दिनांक 21.02.2022 को ट्रस्ट के ट्रस्टी पद से त्याग पत्र (इस्तीफा) दे दिया है। यह कि दिनांक 21.02.2022 के बाद से मेरी पक्षकारा श्रीमती बिमला देवी मोदी (बिमला मोदी) एवं मेरी पक्षकारा के उत्तराधिकारी (वारिसान) का रामनिवास मोदी चैरिटेबल ट्रस्ट में कोई अधिकार शेष नहीं रह गया है/समस्त अधिकार दिनांक 21.02.2022 के बाद से स्वतः ही समाप्त हो गये हैं।

सूचित हो । एडवोकेट मोहम्मद अकरम, H.No.-76, नम्रता आवास, बजरंग नगर, कोटा

कोचिंग विद्यार्थियों के लिए मानसिक संबल एवं सुरक्षा के लिए कार्यशाला आयोजित

कोटा, (निसं)। कोचिंग संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को मानसिक संबल एवं सुरक्षा प्रदान करने के लिए गुरूवार को यूआईटी ऑडिटोरियम में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक शहर केसर सिंह, अतिरिक्त कलेक्टर प्रशासन राजकुमार सिंह, शहर बृजमोहन बैरवा सहित अधिकारियों व मनोचिकित्सकों ने विद्यार्थियों के शैक्षणिक वातावरण के लिए सुझाव दिए।

पुलिस अधीक्षक शहर ने कहा कि कोचिंग प्राप्त करने कोटा आने वाले प्रत्येक विद्यार्थी का आमुखीकरण कोचिंग संस्थान, हॉस्टल, प्रशासन एवं पुलिस के साथ होना चाहिए। जिससे वे यहां के वातावरण में ढल सकें, जिस उद्देश्य के लिए आएं हैं उसे साकार कर सकें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी बिना तनाव के अपने लक्ष्य पूरे करें, इसमें प्रशासन के साथ-साथ कोचिंग व हॉस्टलों का भी महत्वपूर्ण दायित्व है। वे विद्यार्थियों के अभिभावक के भांति सीधा सम्बन्ध बनाए रखकर उनकी प्रत्येक गतिविधि पर निगरानी रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को आव्हान किया कि जीवन में चार ध्येय वाक्य अपनाए जिनमें लक्ष्य निर्धारण, कार्य में निरंतरता, धैर्य एवं कठिन परिश्रम प्रमुख है। उन्होंने कहा कि कोटा रहने पर सफलता मिलेगी अथवा अनुभव मिलेगा, लेकिन निराश होने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी परेशानी के समय बिना झिझक के कोचिंग, हॉस्टल, स्थानीय पुलिस अथवा प्रशासन से सीधा सम्पर्क करें। अतिरिक्त कलक्टर प्रशासन ने कहा कि हम सभी को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे तभी जाकर हम विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को साकार करने में अपनी सहभागिता निभा सकेंगे।

उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रदेश से आने वाले विद्यार्थियों को इको फ्रेंडली एवं तनावमुक्त शैक्षणिक वातावरण किस प्रकार से मिले इस ओर कदम बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार अर्जुन के लिए श्रीकृष्ण सारथी बने उसी भांति हम सभी को विद्यार्थियों के सारथी बनकर सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना होगा। अतिरिक्त कलक्टर शहर ने कहा कि कोटा का नाम शैक्षणिक नगरी के रूप में सपनों का शहर है, हमें विद्यार्थियों को खुला आकाश देना है, विद्यार्थियों का दायित्व है कि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ खुले आकाश में प्रतिभा को साकार करें। उन्होंने कहा कि प्रशासन की भावनाओं के अनुरूप बेहतर शैक्षणिक वातावरण प्रत्येक विद्यार्थी को मिले।

आईआईएम छात्र शांत्तम जैन सराफ का अभिनंदन किया

कोटा (निसं)। हाड़ौती से केवल एक मात्र छात्र का आईआईएम अहमदाबाद में दाखिला होने पर शांत्तम जैन सराफ का अभिनंदन लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने शांत्तम जैन को शॉल ओढ़ाकर और दुपट्टा पहनाकर किया। इसी कड़ी में शांत्तम जैन के पिता ओम जैन सर्राफ ने अपने परिवार सहित लोकसभा स्पीकर श्रीमान ओम जी बिरला को दुपट्टा पहनाकर अभिनंदन किया। इस पर शांत्तम जैन के परिजन एवं जनरल मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश जैन उपस्थित थे। अधिक जानकारी देते हुए शांत्तम जैन सर्राफ ने लोकसभा स्पीकर से वार्ता करते हुए यह कहा कि आईआईएम अहमदाबाद से मैनेजमेंट की पढ़ाई पूरी करने के बाद, हाड़ौती के लिए भी कुछ ऐसा कार्य जैसे इंडस्ट्री, स्टार्टअप्स बिजनेस,लगाना चाहते हैं जिससे हाडोती के लोगों को रोजगार मिल सके।

जे.के. लोन में भर्ती बहिन के लिए वर्धमान जैन ने 33वीं बार एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। सेवा और समर्पण भाव से सेवा करने का सिलसिला टीम जीवनदाता का लगातार जारी है। टीम जीवनदाता के सदस्य वर्धमान जैन ने ऐसे में एक महिला की जान को बचाने के लिए अपना व्यावसायिक कार्य छोड़कर मानवता का धर्म निभाया।

टीम जीवनदाता के संयोजक व लायंस क्लब कोटा टेक्नो के डायरेक्टर भुवनेश गुप्ता ने बताया कि एक व्यक्ति ने एमबीएस ब्लड बैंक के बाहर टीम जीवनदाता के सहयोग से लगाए गए वाटर कूलर पर लिखे गए नम्बर पर कॉल किया। गुप्ता ने बताया कि विज्ञान नगर निवासी मनोज सिंह ने कॉल कर अपनी व्यथा बताई, कि उनकी पत्नी लाड कंवर जे के लोन में भर्ती है। उनकी ये पहली डिलेवरी थी, ऐसे में बच्चे की असमय पेट में मौत हो गई थी। ऑपरेशन करने में अत्याधिक ब्लड लॉस गया था, और हालत गंभीर हो गई। प्लेटलेट्स कम होने पर चिकित्सकों ने एसडीपी की आवश्यकता बताई, ऐसे में गुप्ता ने फोरन वर्धमान जैन को फोन किया। उस समय वे भामाशाह मंडी में थे और लहसुन की नीलामी करवा रहे थे।

नीलामी छोड़कर आना संभव नहीं था, लेकिन उन्हें जब महिला की गंभीर हालत के बारे में समझाया तो उनका ह्दय द्रवित हो गया। वह सभी काम छोड़कर एमबीएस पहुंचे जहां उन्होंने 33वीं बार एसडीपी डोनेट कर महिला की जान बचाने का प्रसास किया। वर्धमान जैन अब तक 52 बार ब्लड डोनेशन भी कर चुके हैं। कुल 84 बार पूर्व में डोनेशन कर चुके है।

पिकअप के यू-टर्न से गई तेरह माह के मासूम की जान

छबड़ा (निसं)। बापचा थाना अंतर्गत गांव कुलिंजरा में पिकअप के पहिए के नीचे आने से तेरह माह के मासूम बालक की मौत हो गई। गुरुवार को छबडा से खाद से भरी पिकअप गांव कुलिंजरा गई थी। गांव कलिंजरा में पहुंचने पर खाद के कट्टे खाली कर चालक पिकअप को घुमाने के दौरान अचानक तेरह माह का बालक किरीश मेहरा पुत्र अवनीश निवासी डबरी थाना छीपाबडौद पहिए के नीचे आ जाने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2022/2268 दिनांक:-22.6.22

नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा योजना श्रीरामकृष्णपुरम-ए भूखंड संख्या 1252 का आवंटन दिनांक 06.02.1992 को श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री कृष्ण गोपाल शर्मा के नाम आवंटन किया गया था। श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री कृष्ण गोपाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 13.09.2019 को हो गयी है। मृत्यु उपरान्त श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा पुत्र श्री कृष्ण गोपाल शर्मा के विधिक वारिसान द्वारा प्रस्तुत रजिस्टर्ड रिलीज डीड (हक त्याग पत्र), शपथ पत्र, आईडी इत्यादि के आधार पर श्रीमती कंचनलता शर्मा पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा द्वारा उक्त भूखंड संख्या 1252 अपने नाम हस्तान्तरण करने की स्वीकृति नगर विकास न्यास कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरीये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड संख्या 1252 योजना श्रीरामकृष्णपुरम-ए का नामहस्तान्तरण श्रीमती कंचनलता शर्मा पत्नी स्व. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक:-378 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-22.6.22

नगर विकास न्यास कोटा द्वारा भूखंड/आवास संख्या 174 केशवपुरा-6 योजना में रजिस्ट्री न्यास के पत्र दिनांक 14.06.2021 को श्री देवी दास पुत्र श्री नेनूमल के नाम से जारी की गई थी। आवंटी श्री देवी दास पुत्र श्री नेनूमल द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री किशोर शर्मा पुत्र श्री पूनमचंद द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 25.11.2021 को श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री किशोर शर्मा को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री किशोर शर्मा द्वारा उक्त भूखंड के नामहस्तान्तरण की स्वीकृति नगर विकास न्यास, कोटा से चाही जा रही है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 174 योजना केशवपुरा-6 का नाम हस्तान्तरण श्री राजेन्द्र शर्मा पुत्र श्री किशोर शर्मा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव नगर विकास न्यास, कोटा

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India

तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, तृतीय मंजिल, मैट्रिक्स मॉल, सेक्टर-4, जवाहर नगर, जयपुर (राजस्थान)- 302004, ई-मेल: sbi.18184@sbi.co.in शाखा कोड- 18184, फोन: 0141-2657811, 2657921, 2657926, 2657989

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002, परिशिष्ट IV [नियम 8(1) देखें]

कब्जा सूचना (अचल सम्पत्तियों के लिए)

जबकि

निम्नहस्ताक्षरकर्ता **भारतीय स्टेट बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का अधिनियम संख्यांक 54) के अंतर्गत और धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में, प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित, ऋणी **मैसर्स कोटा इन्टरप्राईजेज जरिये पार्टनर्स श्री मनीष राजपूत पुत्र श्री सुदर्शन कुमार राजपूत एवं श्रीमती बीना राजपूत पुत्री श्री सागर चन्द कौशल** एवं जमानतदार **श्रीमती रामा राजपूत पत्नी श्री मनीष राजपूत** पर मांग सूचना **दिनांक 08.03.2022** पर उस सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के भीतर **दिनांक 07.03.2022 को बकाया राशि रू. 32,80,512.58 (रूपये बतीस लाख अस्सी हजार पांच सौ बारह एवं पैसे अठावन मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए मांग सूचना जारी की गई।

ऋणी द्वारा राशि का पुनर्भुगतान करने में असफल होने पर एतद्द्वारा सूचना ऋणी और आम जनता को दी जाती है कि निम्नहस्ताक्षरकर्ता ने **दिनांक 22, माह जून, वर्ष 2022** को उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत, उक्त अधिनियम की उपधारा 8 के साथ पठित उसमे प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्तियों को कब्जे में ले लिया है।

ऋणी को विशेष एवं आम जनता को एतद्द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई संव्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ किया गया कोई भी संव्यवहार **दिनांक 07.03.2022 को बकाया राशि रू. 32,80,512.58 (रूपये बतीस लाख अस्सी हजार पांच सौ बारह एवं पैसे अठावन मात्र) एवं इससे आगे का ब्याज व अन्य खर्चे व लागतों** का पुनर्भुगतान करने के लिए **भारतीय स्टेट बैंक, तनावग्रस्त आस्ति वसूली शाखा, तृतीय मंजिल, मैट्रिक्स मॉल, सेक्टर-4, जवाहर नगर, जयपुर** के प्रभार के अधीन होगा।

कर्जदार का ध्यान, प्रतिभूत आस्तियों को छुडाने के लिए, उपलब्ध समय के संबंध में, अधिनियम की धारा 13(8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है।

अचल सम्पत्तियों का विवरण

सम्पत्ति 1- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती रामा राजपूत पत्नी श्री मनीष राजपूत के नाम साम्यिक बंधक दुकान नं. 4, प्रथम तल, प्लॉट नं. 148, काका कॉम्पलेक्स, वल्लभ बाडी, गुमानपुरा, कोटा पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 180 वर्ग फीट है। **सीमाएं-** पूर्व: मार्ग 12' चौड़ा, पश्चिम: श्री महेन्द्र पाल त्यागी का मकान, उत्तर: दुकान नं. एफ-5, दक्षिण: दुकान नं. एफ-3

सम्पत्ति 2- सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग गठित होते हैं जो कि श्रीमती रामा राजपूत पत्नी श्री मनीष राजपूत के नाम फ्लैट नं. बी-107, प्रथम तल (डुप्लेक्स), आर्शिवाद वैभव (एसपी-12-बी से बाहर) इन्द्रा विहार, कोटा पर स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 710 वर्ग फीट प्रथम तल एवं 710 वर्ग फीट द्वितीय तल कुल 1420 वर्ग फीट है। (साम्यिक बंधक का विस्तार) **सीमाएं-** पूर्व: फ्लैट नं. बी-106, पश्चिम: फ्लैट नं. बी-101, उत्तर: आम लॉबी, दक्षिण: आम मार्ग

दिनांक: 22.06.2022 हस्ता.
स्थान: कोटा प्राधिकृत अधिकारी भारतीय स्टेट बैंक

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1197 जाहिर आम सूचना दिनांक - 22.6.22

आवास संख्या 6-जी-54 विज्ञान नगर विस्तार योजना कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती नन्द कुवंर बाई पत्नी श्री गिरीश शर्मा को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री अब्दुल अजीज पुत्र श्री गनी खॉ के नाम दिनांक 25.10.2018 को किया गया। श्री अब्दुल अजीज की मृत्यु दिनांक 11.01.2021 को हो चुकी है। मृत्यु उपरान्त आवेदिका श्रीमती चान्द बी पत्नी स्व. श्री अब्दुल अजीज ने उक्त आवास को अपने नाम हस्तांतरण करने हेतु अपने दो वारिसान श्री सलमान खान पुत्र स्व. श्री अब्दुल अजीज एवं श्री समीर शेख पुत्र स्व. श्री अब्दुल अजीज द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर दिनांक 16.06.2022 को इस कार्यालय में आवेदन किया गया।

अत: इस आवास के मंडल अभिलेख में श्रीमती चान्द बी पत्नी स्व. श्री अब्दुल अजीज का नाम शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, मृत्यु प्रमाण एवं अन्य वारिसानों के घोषणा पत्र के आधार पर आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि इस आवास के मंडल अभिलेख में श्रीमती चान्द बी पत्नी स्व. श्री अब्दुल अजीज का नाम मंडल अभिलेख में दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में शपथ पत्र, क्षतिपूर्ति बंधक पत्र, मृत्यु प्रमाण के आधार पर श्रीमती चान्द बी पत्नी स्व. श्री अब्दुल अजीज का नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 1200 जाहिर आम सूचना दिनांक - 22.6.22

आवास संख्या 3/40 गणेश तालाब कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री राम गोपाल औझा पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण औझा को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री लोकेश कुमार माखीजा पुत्र श्री रुपचन्द माखीजा के नाम दिनांक 17.03.2011 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री लोकेश कुमार माखीजा पुत्र श्री रुपचन्द माखीजा द्वारा दिनांक 25.05.2011 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। पंजीयन उपरांत श्री लोकेश कुमार माखीजा पुत्र श्री रुपचन्द माखीजा द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 26.04.2018 को श्री महेश सुखवानी पुत्र श्री उदवदास सुखवानी को किया गया। श्री लोकेश कुमार माखीजा पुत्र श्री रुपचन्द माखीजा का नाम दिनांक 29.07.2021 को मंडल अभिलेख में दर्ज किया जा चुका है। तत्पश्चात श्री लोकेश कुमार माखीजा पुत्र श्री रुपचन्द माखीजा द्वारा इस आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 28.09.2021 को श्री मनोज कुमार पुत्र श्री नेवन्द राम को किया गया। श्री मनोज कुमार पुत्र श्री नेवन्द राम द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर उक्त आवास के मंडल अभिलेख में अपना नाम विक्रय पत्र के आधार पर दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया। अत: उक्त आवास को विक्रय पत्र के आधार पर श्री मनोज कुमार पुत्र श्री नेवन्द राम के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मनोज कुमार पुत्र श्री नेवन्द राम का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री मनोज कुमार पुत्र श्री नेवन्द राम के नाम मंडल अभिलेख में दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

सेना भर्ती व अग्निपथ के विरोध में यूथ कांग्रेस का हल्ला बोल मार्च

कोटा, (निसं)। शहर मे यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्यामसिंह जादौन के नेतृत्व में यूथ कांग्रेस का हल्ला बोल मार्च निकला गया, मार्च कोटा शहर के सर्किट हॉउस से कोटा कलेक्ट्री तक पैदल निकला गया, प्रदर्शन के द्वारान सेना भर्ती अग्निपथ का कड़ा विरोध किया गया।

कोटा में यूथ कांग्रेस के द्वारा मार्च निकाला गया।

युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्याम सिंह जादौन के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने कोटा कलेक्टर को रक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष रविंद्र त्यागी ने बताया की केंद्र सरकार ने सेना में जवानों की भर्ती के लिए अग्निपथ योजना की घोषणा की उसके बाद से देश के कई राज्यों में इस योजना का विरोध हो रहा है, युवाओं से लेकर राजनीतिक दल इस योजना के विरोध में सरकार के खिलाफ हल्ला बोल रहे हैं, इस योजना के कारण युवाओं की मानसिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। सरकार को इस योजना को तत्काल वापस लेना होगा, पूर्व प्रदेश सचिव जफर मोहम्मद ने कहा की इससे पहले राहुल गांधी ने अग्निपथ योजना को लेकर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था, राहुल गांधी ने कहा था कि युवाओं की बात मानते हुए उन्हें माफीवीर बनना पड़ेगा और अग्निपथ स्कीम वापस लेनी पड़ेगी उन्होंने केंद्र सरकार पर आठ साल से जय जवान, जय किसान के मूल्यों का अपमान करने की बात कही, राहुल गांधी ने पहले ही मोदी सरकार को चेताया था, देश का युवा आक्रोश हो युवाओं का सपना जाने का होता हैं, लेकिन उनके इस सपने को मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है।

पूर्व प्रदेश सचिव कॉग्रेस कमेटी शिवकांत नंदवाना ने बताया की अग्निपथ देश और बेरोजगार युवाओं के लिए एक धोखा है, उन्होंने भाजपा पर युवा शक्ति को गलत दिशा में ले जाने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रही है, बिना किसी रैंक के भारतीय सेना में चार साल के अनुबंध के आधार पर युवाओं को गुमराह कर रही है, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्यामसिंह जादौन ने बताया की अग्निपथ योजना बेरोजगार युवाओं के हितों पर कुठाराघात है, कहा कि केंद्र सरकार की मंशा इस योजना को लागू कर भावी पीढ़ी को अभावग्रस्त जीवन व्यतीत कर मजबूर करना है, जो केंद्र सरकार दो करोड़ रोजगार हर साल देने का वादा करके सत्ता में आयी थी वो युवाओं को ठगने का काम कर रही है रोजगार देना तो दूर की बात देश के सरकारी उपक्रमों का निजीकरण करके युवाओ के रोजगार छीनने का कार्य कर रही हैं, इस दौरान कार्यकर्ताओं में अग्निपथ योजना को लेकर इतना आक्रोश था की कार्यकर्ताओ ने कलेक्ट्री में अंदर घुसने का प्रयास किया जिलाध्यक्ष श्याम सिंह जादौन सहित यूथ कांग्रेस के कार्यकर्त्ता पुलिस बेरीग्रेट पर चढ़ गये।

इस दौरान कार्यकर्ताओ की पुलिस से धक्का-मुक्की हो गयी बाद में कार्यकर्त्ता कलेक्ट्री के बाहर धरने पर बैठ गए प्रशासन की समझाइस के बाद प्रतिनिधि मंडल ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नाम पर कोटा कलेक्टर हरि मोहन मीणा को ज्ञापन सौपा, इस दौरान उपाध्यक्ष मनीष मीणा, दिग्विजय सिंह, मेघराज गुर्जर, दिव्यांश चौधरी, रवि मेवाड़ी, महासचिव किशन भाटिया, सुनील शर्मा, युवराज सुमन, रिषभ शर्मा, कर्मेंद्र मीणा, जतिन बातकी, इशान अंसारी, यश गौतम, सचिव बाबू माथुर, दिनेश लोधा, मंगल तम्बोली, श्याम संगत, मोसम हाड़ा, संयुक्त सचिव विशाल सैनी, अंकित देवड़ा, अमन सारवान, प्रवीण नंदवाना, रामभजन वाल्मीक, कोटा उत्तर विधानसभा अध्यक्ष मोहम्मद जुबैर, उपाध्यक्ष सोहेल अली, ब्लॉक अध्यक्ष दीपक नागर, सोनू मोरलिया आदि समस्त युवा कॉग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एसडीआरएफ ने 100 फीट गहरे सूखे कुएं से महिला का शव निकाला

अज्ञात महिला का शव 4 से 5 दिन पुराना एवं पूरी तरह से क्षत-विक्षत बताया

अजमेर, (निसं)। पुलिस थाना रूपनगढ़ जिला अजमेर के अन्तर्गत एसडीआरएफ ने 100 फीट गहरे सूखे कुएं से अज्ञात महिला का शव निकाला है। शव 4 से 5 दिन पुराना एवं पूरी तरह से क्षत-विक्षत बताया गया है।

एसडीआरएफ सेनानायक पंकज चौधरी को पुलिस अधीक्षक अजमेर विकास शर्मा से जरिये दूरभाष सूचना मिली कि पुलिस थाना रूपनगढ़ जिला अजमेर के अन्तर्गत 100 फीट गहरे सूखे कुएं में एक महिला का शव है। स्थानीय स्तर, सिविल डिफेंस की रेस्क्यू टीम द्वारा काफी प्रयास किये गये किन्तु कुएं की गहराई अधिक होने के कारण सफलता नहीं मिल पायी है। अत: एक रेस्क्यू टीम भेजने के निर्देश दिये। सूचना पर एसडीआरएफ सेनानायक ने एसडीआरएफ कन्ट्रोल रूम जयपुर को निर्देश दिये कि ई कम्पनी एसडीआरएफ नारेली, अजमेर से एक रेस्क्यू टीम को अविलम्ब रोप रेस्क्यू उपकरणों के साथ घटनास्थल पर भिजवायें। अनुमति प्राप्त कर एसडीआरएफ राजस्थान कन्ट्रोल रूम जयपुर ने ई कम्पनी नारेली अजमेर प्रभारी कम्पनी कमाण्डर करणी सिंह को अविलम्ब एक रेस्क्यू टीम आवश्यक राहत उपकरणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना करने हेतु बताया। कम्पनी प्रभारी ने हैड कानि. राजेश कुमार के नेतृत्व में 11 जवानों की रेस्क्यू टीम को सांय 06:50 बजे घटनास्थल के लिए रवाना किया। टीम द्वारा रात्रि 8:10 बजे घटनास्थल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा टीम कमाण्डर ने एसडीआरएफ कमाण्डेन्ट को बताया कि घटनास्थल पुलिस थाना रूपनगढ़ के अन्तर्गत उजोली गांव के समीप 100 फीट गहरा सूखा कुआं है। स्थानीय प्रशासन द्वारा बताया गया कि शव 4 से 5 दिन पुराना है एवं पूरी तरह से क्षत-विक्षत है। सिविल डिफेंस की टीम द्वारा प्रयास किया गया किन्तु कुएं से अत्यधिक बदबू आने के कारण सफलता नहीं मिल पायी। एसडीआरएफ सेनानायक ने टीम कमाण्डर को रोशनी की उचित व्यवस्था में ऑपरेशन को अंजाम देने के निर्देश दिये एवं गणपति महावर डिप्टी कमाण्डेन्ट, प्रियंका वैष्णव सहायक कमाण्डेन्ट तथा ई कम्पनी अजमेर प्रभारी करणी सिंह कम्पनी कमाण्डर को ऑपरेशन के निकटम सुपरवीजन हेतु नियुक्त किया।

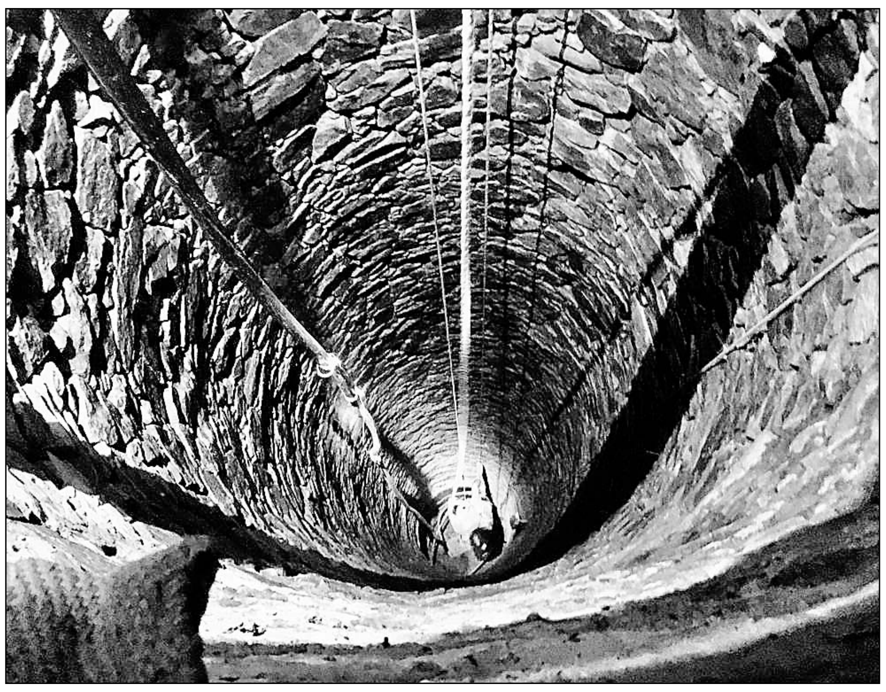

रूपनगढ़ : एसडीआरएफ टीम ने स्ट्रेचर पर बांध कर कुएं से महिला के शव को बाहर निकाला।

टीम कमाण्डर के निर्देश पर हैड कानि. शिवराज, रामचरण, सोहनलाल, फूलचन्द, अजय राम, कैलाष, नारायण, रामअवतार, सुरेश कुमार तथा दशरथ ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। टीम कमाण्डर के निर्देश पर रेस्क्यू टीम के जवान सुरेश कुमार को रोप रेस्क्यू उपकरणों की मदद से कुएं में उतारा। शव 4 से 5 दिन पुराना होने से अत्यधिक बदबू आने के कारण मास्क का उपयोग कर जवान ने कुएं के तल पर पहुंच अज्ञात महिला के शव को स्ट्रेचर पर बांध टीम ने रात्रि 9:45 बजे बाहर निकालकर स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द कर दिया। मौके पर मौजूद स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों हरेन्द्र उपखंड अधिकारी रूपनगढ, अयूब खान थानाधिकारी रूपनगढ मय जाप्ता एवं स्थानीय नागरिकों को धन्यवाद दिया तथा रेस्क्यू टीम के कार्य की सराहना की।

8 किलो सोना व दो किलो चांदी के जेवर चोरी मामले में एक गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना क्षेत्र के इंदिरा कॉलोनी स्थित सूने मकान से करीब 8 किलो सोना, दो किलो चांदी के जेवर एवं नकदी चुराने के आरोप में पिछले एक माह से फरार वांछित आरोपी को राजनगर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया है। मकान से चोरी के आरोप में राजनगर थाना पुलिस द्वारा पूर्व में दो आरोपी चांद मोहम्मद पुत्र हबीब मोहम्मद निवासी इन्द्रा कॉलोनी राजनगर, दीपक गवारिया पुत्र मदनलाल गवारिया निवासी सहकारी समिति के पास किशोर नगर मंडा को गिरफ्तार किया था। जबकि इनका एक साथी पिछले एक माह से फरार चल रहा था।

■ पुलिस ने पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, पूछताछ जारी

राजनगर थाना अधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि चोरी के मामले में पुलिस ने वांछित चुन्नीलाल पुत्र भंवरलाल मीणा निवासी भील मगरी जल चक्की कांकरोली को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों से चोरी किए गए जेवरातों एवं नकदी के बारे में पूछताछ जारी है। थानाधिकारी डॉ. राजपुरोहित ने बताया कि गत 29 मई को प्रार्थी नारूलाल पुत्र बंशीलाल वाल्मिकी निवासी इन्द्रा कोलोनी राजनगर ने थाने में मकान से चोरी की रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें बताया कि 28 मई को किसी कार्य से परिवार सहित उदयपुर गए हुए थे। इसी बीच पडौसी द्वारा घर के दरवाजे खुले होने की सूचना मिली। सूचना पर तुरंत घर पहुंचने पर मकान का दरवाजा व खिड़की खुली हुई और मकान के ताले टूटे हुए मिले। मकान के अंदर सारा सामान बिखरा हुआ मिला। इस पर तलाश लेने पर कमरे से सोने-चांदी के आभूषण व करीब 80 हजार रुपये की नकदी गायब मिली। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर कार्यवाही प्रारंभ की। पुलिस ने टीम का गठन कर दबिश देते हुए पूर्व में इन्द्रा कोलोनी राजनगर चांद मोहम्मद व किशोर नगर मंडा निवासी दीपक गवारिया को गिरफ्तार कर पूछताछ की। इसके बाद वांछित भील मंगरी जलचक्की निवासी चुन्नीलाल मीणा की तलाश करते हुए जगह जगह दबिश देते हुए मुखबीर की सूचना पर गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ से सूने मकान से जेवरात व नकदी चुराना स्वीकार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार तीनों आरोपियों से चोरी किए गए जैवरातों एवं नकदी के बारे में पूछताछ जारी है।

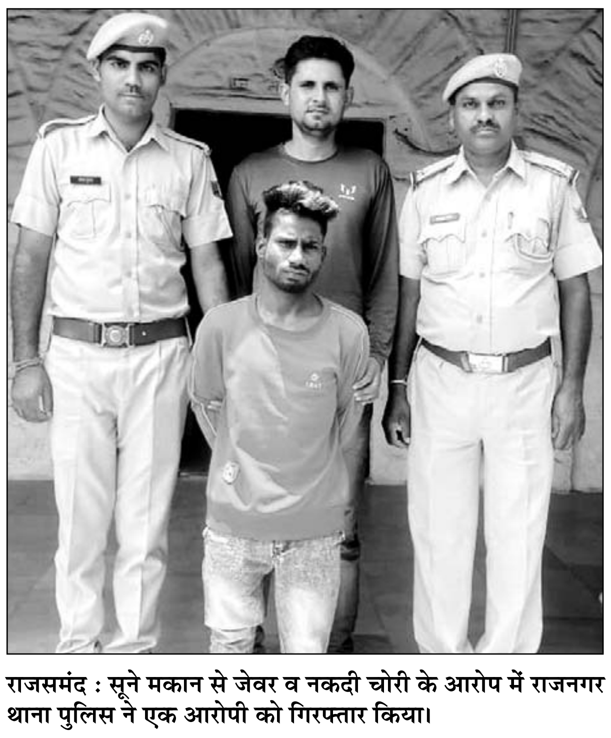

राजसमंद : सूने मकान से जेवर व नकदी चोरी के आरोप में राजनगर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। युवक की हत्या कर लाश को कुएं में डालने के मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है।

■ हत्या कर शव को कुएं में डाल दिया था, पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार किया

प्रकरण के अनुसार पीड़ित भोजानाड़ीभुला रोहिड़ा सिरोही निवासी रूपाराम पुत्र गोपी ने माण्डवा पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि गत 19 जून को सवेरे मेरा पुत्र श्रवण कुमार एवं उसका साला किशन पुत्र उदाजी हमेशा की तरफ स्वरूपगंज मजदूरी करने के लिए गये थे। वहां पर काम नहीं मिलने पर वापस घर लौट आए। कुछ समय बाद किशन ने श्रवण को बाखेल माण्डवा निवासी नानी के घर जाकर आने की बात कही। तभी किशन अपनी बाइक पर बाखेल की तरफ गया।

वहां पर मेरे पुत्र श्रणव कुमार की हत्या कर उस कुएं में डाल दिया। मेरे पुत्र श्रवण की उसके साले व साले के मामा ने हत्या कर लाश कुए में डाल दी। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय कुंदर कवारिया, पुलिस उप अधीक्षक कुशालराम चौरड़िया के सुपरविजन में माडवा थानाधिकारी उत्तमसिंह के नेतृत्व में एएसआई शांतिलाल, कांस्टेबल मनोज कुमार, जयेश, लोकेन्द्रसिंह, महेश मय टीम ने बाखेल माण्डवा निवासी मसरू उर्फ कीतीया पुत्र गलबाराम, कालुराम पुत्र शंकरलाल, रमेश पुत्र गलबाराम, कम्बोई थाना रोहिड़ा हॉल लोदरा थाना स्रूपगंज सिरोही निवासी किशन पुत्र उदाराम को गिरफ्तार किया। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

सीएम गहलोत कल सालासर आएंगे

चूरू, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 25 जून को सालासर आएंगे। वे यहां सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन करेंगे। जिला कलेक्टर सिद्धार्थ सिहाग ने बताया कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को दोपहर डेढ़ बजे हेलीकॉप्टर से सालासर आएंगे। वे यहां सालासर बालाजी मंदिर में दर्शन करेंगे। उसके बाद दोपहर तीन बजे हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की यात्रा के दौरान प्रोटोकॉल, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए गए हैं।

बदमाशों ने मुनीम पर फायरिंग की, रुपयों का बैग लेकर भागे

कोटा, (निसं)। कोटा शहर के गुमानपुरा थाना इलाके में गुरुवार सुबह दो बाइक सवार बदमाशों ने थोक सब्जी मंडी में एक दुकान के मुनीम के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया।

घटना गुमानपुरा थाने से महज डेढ़ सौ मीटर आगे ही हुई। बदमाशों ने फायरिंग भी की जिसमें मंडी का मुनीम बाल-बाल बच गया। पुलिस ने मुनीम की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। स्टेशन इलाके में रहने वाले 33 वर्षीय मुनीम श्याम सुंदर ने बताया कि कैसे उस पर हमला किया गया। गोली चली जो कान के नजदीक से निकल गई। उसके मुताबिक बदमाशों ने इसके बाद भी हमला जारी रखा और उस पर चाकू से वार किया। चाकू उसके गाल से लगा।

हमले से वो डर गया और उसके पास मौजूद 50 हजार रुपए से भरा बैग नीचे गिर गया। श्याम सुंदर के मुताबिक बदमाश इसे लेकर फरार हो गए। श्याम सुंदर को उसके मालिक भजन सिंह सरदार अस्पताल लेकर गए जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। इस मामले में उसने गुमानपुरा थाने पहुंचकर रिपोर्ट भी दर्ज कराई है।

गुमानपुरा थाने के सब इंस्पेक्टर नंदकिशोर ने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। फल सब्जी मंडी के व्यापारी अशोक अग्रवाल ने बताया कि देर रात को अधिकांश व्यापारी और मुनीम मंडी में आते हैं। सबको पता है लेकिन इसे देखते हुए भी सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद नहीं है। यही वजह है कि पिछले कुछ दिनों में इस तरह की घटनाएं खूब हो रही हैं। इससे व्यापारी दहशत में भी हैं। उनका कहना है कि 1 दिन पहले भी चाकूबाजी हुई थी। सब्जी बेचने वाली बसंती बाई ने बताया कि 22 जून की सुबह 3.45 बजे के आसपास प्रेम नगर इलाके के रहने वाले रमेश पर भी कुछ बदमाशों ने हमला किया था। इस हमले में उसे चोट भी आई थी। उसे चौकीदार और मैंने पट्टी बांधकर अस्पताल पहुंचाया था।

नहाते समय युवक तालाब में डूबा

उदयपुर, (कासं)। शहर के पिछोला झील गणगौर घाट पर नहाते समय पानी में डूबने से युवक की मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सवेरे गणगौर घाट पिछोला झील में नहाते समय हर्षनगर रामपुरा निवासी कुशल नागदा (19) पुत्र गिरीराज नागदा की पानी में डूबने से मौत हो गई।

कुशल सवेरे घर से निकला था। इस दौरान नहाने आए लोगों ने पानी पर मृत लाश दिखने पर उसे बाहर निकाल उसकी शिनाख्त कर परिजनों का सूचना दी। इस पर हेड कांस्टेबल हरिश मौके पर पहुंचे। जहां परिजन बिना पोस्टमार्टम करवाए शव ले गए।

गौवंश से भरी पिकअप जब्त, चार गिरफ्तार

भूपालसागर, (निसं)। कस्बे के वार्ड नं12 में आंगनबाड़ी केंद्र के पास रात्रि में एकांत खड़ी पिकअप में चार गौवंश ठूस-ठूस कर भरे हुए थे। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया।

■ ग्रामीणों को गौवंश के पिक पिकअप में भरे होने का आभास हुआ तो तलाशी ली

जानकारी के अनुसार कस्बे के वार्ड नं 12 में आंगनबाड़ी केंद्र के पास कुछ ग्रामीणों को गौवंश के पिक पिकअप में भरे होने का आभास हुआ तो ग्रामीणों ने पीकअप की तलाशी ली। तलाशी पर पिकअप में गौवंश भरे हुये थे। आसपास देखा तो कोई भी दिखाई नहीं दिया तो वहां पर कई लोग एकत्रित हो गए। सूचना सरपंच प्यार चंद भील व पंचायत समिति सदस्य सुरेश गाडरी को भी दी गयी। जिस पर सरपंच ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गौ अधिनियम में मामला दर्ज कर इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया।

युवती के खिलाफ तीन शादी करने और दूल्हों को लूटने का मामला दर्ज

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में एक युवती के खिलाफ एक महीने में तीन शादी करने और दूल्हों को लूटने का मामला दर्ज कराया गया है। दुल्हन और उसका साथी इतने शातिर हैं कि शादी से पहले ही रुपए ऐंठ लेते हैं। शादी के बाद दुल्हन 5-6 दिन ससुराल में रुकती और फरार हो जाती। इसके बाद गैंग दूसरे शहर में कुंवारे लड़कों को ढूंढ कर उन्हें फंसाने का प्लान बनाती है।

आरोपी युवती की तलाश के लिए पुलिस ने टीम गठित की है। उसके परिवार के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही हैं। पुलिस ने बताया कि दुल्हन और उसके साथी ने 3 से ज्यादा लोगों से शादी के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी की है। गोगामेड़ी थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि नेठराना गांव के नेकी राम (35) पुत्र कृष्ण कुमार ने इस बारे में थाने में रिपोर्ट दी है। उसने बताया कि उसकी शादी नहीं हो पा रही थी। इसी दौरान उनके गांव के कमलेश ने उसे बताया कि एक गरीब मुस्लिम लड़की उसकी धर्म बहन है। उसके माता-पिता की मौत हो चुकी है और वह उसके पास नेठराना में ही रहती है। कमलेश ने कहा कि वह उससे शादी करवा देगा, लेकिन उसके एवज में उसे 1 लाख 50 हजार रुपए देने पड़ेंगे। उसने कमलेश को शादी के लिए हां की तो वह उसे अपने घर ले गया और एक लड़की से मिलवाया। लड़की ने अपना नाम शबनम पिता नवाब खां निवासी पारीक कॉलोनी हनुमानगढ़ टाउन बताया। इसके बाद 13 मई 2022 को कमलेश और शबनम दोनों उसे भादरा कोर्ट ले गए, जहां कमलेश ने उसकी और शबनम की शादी के संबंध में 500 रुपए के स्टांप पर लिखा-पढ़ी करवा दी थी। नेकी राम ने बताया कि शादी करने के एवज में कमलेश ने उससे 1 लाख 5 हजार रुपए नकद, 10 हजार रुपए शादी करवाने के कोर्ट खर्च और 30 हजार रुपए शबनम को कपड़े सहित अन्य सामान दिलवाने के नाम पर ले लिए। इसके बाद वह और शबनम नेठराना आ गए। शबनम करीब 6 दिन उसके साथ घर पर रही।

सड़क हादसे में टैंकर चालक की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर अहमदाबाद हाइवे पर टैंकर पलट गया। हादसे में चालक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरूवार सवेरे परसाद थाना क्षैत्र हाइवे बारा रोड़ पर टेंकर पलट गया। हादसे में चालक टोक निवासी शंकरसिंह नीचे दब गया। सूचना मिलने पर परसाद थानाधिकारी रमेशचन्द्र, एएसआई दिनेशचन्द्र, हेडकांस्टेबल रामनारायण सिंह ने चालक को बाहर निकाल चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शंकरसिंह सिमेंट से भरा टेंकर लेकर उदयपुर से अहमदाबाद जा रहा था।

चोरी का मामला दर्ज : नसीराबाद सिटी थाना अंतर्गत मिशन कंपाउंड निवासी जॉनसन ने सिटी थाना में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि गत 22 जून को उसके घर की पहली मंजिल के कमरे में उसकी बहू के लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात रखे हुए थे, जिसे कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। जिस पर सिटी थाना पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ की।

अजमेर में रेवेन्यू बार व सिविल कोर्ट के वकीलों ने कार्य बहिष्कार कर प्रदर्शन किया

अजमेर, (कास)। राजस्थान रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर इकाई और सिविल कोर्ट के वकीलों ने अपने साथी वकील के साथ हुई मारपीट के विरोध में गुरुवार को कार्य बहिष्कार कर जिला कलेक्ट्रेट पर मानव श्रृंखला बनाकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। वहीं जिला कलेक्टर, एसपी और डीएसओ को ज्ञापन सौंप कर होटल संचालक व उसके कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

■ अधिवक्ता और साथी के साथ गत दिनों महादेव के ढाबे पर खाना खाने के दौरान हुई मारपीट का मामला

■ कलेक्टर, एसपी व डीएसओ को सौंपा ज्ञापन, ढाबा संचालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग

राजस्थान रेवेन्यू बार एसोसिएशन अजमेर इकाई के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि राजस्थान राजस्व न्यायालय में अधिवक्ता नरपत भाकल और साथी अर्जुन राम के साथ विगत दिनों पुराना बस स्टैंड स्थित महादेव के ढाबे पर खाना खाने के दौरान हुई मारपीट को लेकर वकील समुदाय में आक्रोश व्याप्त है। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि गुरुवार को रेवेन्यू बार एसोसिएशन और सिविल कोर्ट के वकील रैली के रूप में जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिला कलेक्टर अंशदीप, पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा और डीएसओ हेमंत स्वरूप माथुर को ज्ञापन देकर पुराना बस स्टैंड स्थित महादेव के ढाबे पर कमर्शियल गैस सिलेंडर की जगह घरेलू गैस सिलेंडरों के उपयोग, खाद्य सामग्री में मिलावट व अवधि पार खाद्य सामग्री का उपयोग करने, सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाने जांच कराने के साथ ही मारपीट प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

रेवेन्यू बार एसोसिएशन अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह नरूका ने कहा कि यदि पुलिस जल्द कार्रवाई कर वकील के साथ मारपीट व अभद्रता करने वाले ढाबा संचालक व उसके कर्मचारियों को गिरफ्तार नहीं करती है तो वकील समुदाय उग्र आंदोलन को मजबूर होगा।

गौरतलब है कि साथ वकील के हुई मारपीट को लेकर बुधवार को रेवेन्यू बार एसोसिएशन और सिविल कोर्ट के अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने को लेकर सदर कोतवाली थाने का घेराव कर सीओ नॉर्थ छवि शर्मा से तत्काल कार्यवाही की मांग की थी।

अजमेर में वकीलों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मारपीट करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह का 60वां जन्मदिन मनाया

भरतपुर, (निसं)। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह का 60 वां जन्मदिन राजकीय वृद्धाश्रम परिसर में गिरिराज महाराज की वैदिक रीति-रिवाज से पूजा-अर्चना कर सादगी के साथ मनाया। इस दिन विभिन्न संस्थाओं ने उनके जन्मदिवस पर केक काटे।

राजकीय वृद्धाश्रम परिसर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद पं. रामकिशन रहे। अध्यक्षता बालकल्याण समिति के अध्यक्ष गंगाराम पाराशर ने की। नगर निगम के महापौर अभिजीत कुमार एवं उपमहापौर गिरीश चौधरी विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष गंगाराम पाराशर एवं सदस्य अनुराधा शर्मा, मदनमोहन शर्मा, राजाराम भूतौली, नरेन्द्र सिंह ने मंत्री विश्वेन्द्र सिंह को चांदी का मुकुट एवं मोतियों की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर जय श्री बांके बिहारी समिति एवं बाल कल्याण समिति ने वृद्धाश्रम, नारी निकेतन, बालिका गृह, बाल गृह में आवासितों को भोजन प्रसादी का वितरण किया। नागरिक उड्डयन मंत्री ने बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद पं. रामकिशन ने चम्बल पेयजल परियोजना एवं रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाने की भी मांग की। कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष शेर सिंह सूपा, पार्षद रमेश पाठक, दीपक मुद्गल, दाउदयाल जोशी, समन्दर सिंह, पूर्व पार्षद दयानन्द पचौरी, व्यापार संघ के अध्यक्ष संजीव गुप्ता, पीसीसी सदस्य धर्मेन्द्र शर्मा, महेन्द्र तिवारी, विपुल शर्मा, हेमेन्द्र उपमन, जीवनलाल सहित नागरिक उपस्थित रहे।

■ मंत्री विश्वेन्द्र सिंह को चांदी का मुकुट एवं मोतियों की माला पहनाकर स्वागत किया

इसके बाद पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने विप्र फाउंडेशन द्वारा आयोजित समारोह में हनुमान जी की पूजा अर्चना एवं परशुराम जी की प्रतिभा पर माल्यार्पण किया। विप्र फाउण्डेशन के अध्यक्ष इंदूशेखर शर्मा, आचार्य धरनीधर, ओमप्रकाश षर्मा, गंगाराम पाराशर, धर्मेन्द्र शर्मा, दयाचंद पचौरी, अनिल भारद्वाज, देवाषीश ने पर्यटन मंत्री का स्वागत किया। मुख्य कार्यक्रम उनके पैतृक गांव सिनसिनी स्थित सिनसिना बाबा के मंदिर में पूजा अर्चना की। इस अवसर पर पर्यटन मंत्री ने कहा कि क्षेत्र का विकास कराने का लक्ष्य प्राथमिकता पर है। इस अवसर पर नगर निगम महापौर अभिजीत कुमार, पंचायत समिति सदस्य गोवरधन सिंह रीठोठी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन मंत्री विश्वेन्द्र सिंह का उनके जन्मदिन पर विभिन्न संस्थाओं ने स्वागत किया।

अग्निपथ योजना वापस लेने की मांग पर कांग्रेस का 27 जून को होगा प्रदेश स्तरीय विरोध-प्रदर्शन

विधानसभा स्तर पर होगा प्रदर्शन, प्रदेश कांग्रेस के पर्यवेक्षक रखेंगे निष्क्रिय नेताओं पर नजर

जयपुर, (का.प्र.)। राहुल गांधी से ईडी की पूछताछ पूरी होने के बाद अब कांग्रेस सेना भर्ती की नई योजना अग्निपथ को वापस करवाने के लिए निचले स्तर तक आंदोलन शुरू कर रही है और 27 जून को पूरे देश में कांग्रेस सत्याग्रह करेगी। राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अनुसार विधानसभा वार सत्याग्रह किया जाएगा और इनका नेतृत्व विधायक करेंगे। वहीं जहां पार्टी के विधायक नहीं हैं। वहां प्रदेश कांग्रेस की ओर से लगाए जाने वाले पर्यवेक्षक और समन्वयक सत्याग्रह का नेतृत्व करेंगे।

कांग्रेस ने तय किया है कि वह बेरोजगारी से जुड़े तथा युवाओं की भागीदारी वाले किस मुद्दे पर केंद्र की भाजपा सरकार को घेरेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अग्निपथ योजना वापस कराने को लेकर किए जाने वाले आंदोलन की जानकारी देते हुए बताया कि अग्निपथ योजना को लेकर कांग्रेस प्रदेश में 27 जून को सभी 200 विधानसभा सीटों पर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन करेगी। विधानसभा वार होने वाले इन विरोध प्रदर्शनों में ना सिर्फ विधायकों को अपनी ताकत दिखानी होगी बल्कि प्रमुख कांग्रेस जनों को भी ताकत दिखानी होगी। यही कारण है कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी 200 विधानसभाओं में प्रदर्शन में भाग लेने वाले नेताओं पर पर्यवेक्षक नजर रखेंगे।

डोटासरा ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस की ओर से सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में होने वाले विरोध प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए पर्यवेक्षक और समन्वयक लगाए जा रहे हैं। ये पर्यवेक्षक कांग्रेस पार्टी को इस बात की सूचना देंगे कि किस नेता ने अपने जिले में प्रदर्शन में मेहनत की और

> ■ अग्निपथ के विरोध में 27 जून को ही जोधपुर में हनुमान बेनीवाल भी करेंगे बड़ी रैली

कौन निष्क्रिय रहा। डोटासरा ने कहा कि अग्निपथ योजना का विरोध करने वाले युवाओं के साथ कांग्रेस पार्टी मजबूती से खड़ी है। देश में पहली बार हो रहा है कि भारतीय सेना में संविदा पर भर्ती हो रही है। डोटासरा ने कहा कि योजना युवाओं के भविष्य को अंधकारमय बनाने के लिए है। यही वजह है कि देश भर में युवा आक्रोशित हैं।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार युवाओं को रोजगार देने के अपने वादे में विफल रही है। हालात यह है कि हर साल जितनी नौकरियां केंद्र सरकार को देनी थी, उनमें से 1 साल में जितनी नौकरियां होती, उतनी भी केंद्र सरकार नहीं दे सकी है। डोटासरा ने कहा कि 4 साल की नौकरी में युवा सेना के साथ निष्ठा और समर्पण का भाव नहीं रख पाएगा, जिससे देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो सकता है।

मीडिया की ओर से भाजपा नेताओं पर लगे मुकदमे हटाने तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं में इसे लेकर व्याप्त रोष के सवाल पर डोटासरा ने कहा कि यह भाजपा-कांग्रेस का मामला नहीं है। प्रत्येक सरकार राजनीतिक तौर पर लगाए गए मुक़दमे वापस लेती है, ऐसे में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ लगे मुक़दमे हटाने के लिए भी सरकार को कहा जाएगा।

दूसरी ओर अग्निपथ योजना को लेकर राजस्थान में 27 जून को ही आरएलपी भी जोधपुर में बड़ी रैली करने जा रही है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल 27 जून को जोधपुर में प्रस्तावित अपनी रैली को लेकर लगातार ताकत झोंक रहे हैं। इसके लिए मंगलवार को देर रात तक जोधपुर शहर के अलग अलग इलाकों में हनुमान बेनीवाल ने रैली की। बुधवार को बाड़मेर रवाना होने से पहले हनुमान बेनीवाल ने कहा कि भले ही केंद्र सरकार ने कह दिया है कि वह योजना वापस नहीं लेंगे, लेकिन हम युवाओं को भरोसा दिलाते हैं कि यह योजना वापस होगी। इस योजना के विरोध में 27 जून को जोधपुर में होने वाली रैली में लाखों की संख्या में युवा भाग लेंगे। इसके लिए वह खुद जोधपुर, बाड़मेर, नागौर, सीकर सहित अन्य जगह पर दौरे कर रहे हैं।

व्यक्ति के विचार-कला हमेशा जीवित रहती है : ओम बिरला

विख्यात मूर्तिकार पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति की याद में गुरूवार को बिड़ला सभागार में समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला व अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने की। इस मौके पर सांसद रामचरण बोहरा सहित बड़ी संख्या में कला जगत और राजनीति की हस्तियां मौजूद थीं।

जयपुर। माटी मानस अर्जुन कला संग्रहालय की ओर से विख्याति मूर्तिकार पद्मश्री स्व. अर्जुन प्रजापति की याद में गुरूवार को बिड़ला सभागार में समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने की। इस मौके पर सांसद रामचरण बोहरा सहित बड़ी संख्या में कला जगत और राजनीति की हस्तियां मौजूद थीं। इस मौके पर अपने उद्बोधन में ओम बिरला ने कहा कि व्यक्ति दुनिया मे रहे न रहे, उनके विचार, कला हमेशा जीवित रहती है।

बिरला ने कहा कि अर्जुन प्रजापति की कला इतनी अदभुत थी जिसके दम पर उन्होंने मूर्तिकला के क्षेत्र में जयपुर का नाम देश दुनिया में रोशन किया। उन्होंने देश का गौरव बढ़ाने वाला राजस्थान जिसने शौर्य

> ■ 'अर्जुन कला अवार्ड' से कला जगत की छह हस्तियों को सम्मानित किया

के रूप में अपना गौरव बढ़ाया, त्याग, समर्पण से अपना गौरव बढ़ाया यहां की संस्कृति यहां की कला हमारे नौजवान जो हमारे देश की रक्षा आज भी कर रहे हैं उसके कारण दुनिया में राजस्थान का गौरव सम्मान हमेशा से किया जाता रहा है।

इससे पहले ओम बिरला और निंबाराम ने माटी मानस अर्जुन कला संग्रहालय की ओर से उनकी याद में स्थापित किए गए 'अर्जुन कला अवार्ड' से कला जगत की छह हस्तियों को सम्मानित किया। सम्मानित होने वाले कलाकारों मे पद्मश्री से सम्मानित चित्रकार एस. शाकिर अली, सुर बहार वादक डॉ. अश्विन एम.दलवी, रूपवादी चित्रकार गोपाल स्वामी खेतांची, युवा मूर्तिकार इटारसी के रोहित प्रजापति और भोपाल के स्वप्निल ठाके तथा देव प्रतिमाओं के वरिष्ठ शिल्पकार जयपुर को गोपाल शर्मा थे। शाकिर अली के उपस्थिति नहीं होने पाने की वजह से उनकी ओर से कला समीक्षक सर्वेश भट्ट ने ये सम्मान ग्रहण किया।

इस मौके पर ओम बिरला और निंबाराम ने अर्जुन प्रजापति के कृतित्व और व्यक्तित्व पर राजेन्द्र प्रजापति और सर्वेश भट्ट की बनाई फिल्म तथा अर्जुन प्रजापति द्वारा उनके निधन से पहले बनाई गई पांच मूर्तियों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम में सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, शहर भाजपा अध्यक्ष राघव शर्मा सहित कई लोगों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

राज्यपाल कलराज मिश्र से पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को राजभवन में मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी।

प्रदेश के 19 जिलों में मिले 135 नए करोना संक्रमित

जयपुर। राज्य में गुरूवार को 19 जिलों में 135 नए मरीज मिले हैं, जबकि 97 रोगी इस बीमारी से रिकवर भी हुए है। ऐसे में एक्टिव केस की संख्या बढ़कर 751 पहुंच गई है।

चिकित्सा विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार को जयपुर में सबसे ज्यादा 48 संक्रमित रोगी मिले। इसके अलावा बीकानेर में 16 जोधपुर में 13, अजमेर में 11, अलवर में 9, उदयपुर में 7, नागौर और भीलवाड़ा में 4-4, टोंक, प्रतापगढ़ और बांसवाड़ा में 2-2 तथा बारां, चित्तौड़गढ़, चूरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, राजसमंद और सिरोही में एक-एक रोगी मिला है।

जयपुर जिले में 48 नए संक्रमित मिलने के साथ ही यहां 30 मरीज करोना से ठीक भी हुए है। फिलहाल यहां पर 300 एक्टिव केस बचे हुए है। रिपोर्ट के मुताबिक जयपुर के सोडाला में सबसे ज्यादा 8 संक्रमित रोगी मिले है। दुर्गापुरा और सांगानेर में 6-6, मालवीय नगर और वैशाली नगर में 3-3, सी स्कीम, जगतपुरा, फागी, राजापार्क में 2-2 तथा अजमेर रोड, बनीपार्क, चाकसू, सिविल लाइन्स, गोपालपुरा, गोविन्द नगर, जामडोली, जवाहर नगर, झोटवाडा, मानसरोवर, सुभाष चौक, तिलक नगर, वैशाली नगर और विद्याधर नगर में एक-एक संक्रमित मिला है।

जेमिमा की पारी के बाद शानदार गेंदबाजी से भारत जीता, श्रीलंका के खिलाफ 1-0 की बढ़त बनायी

दाम्बुला, 23 जून। जेमिमा रोड्रिगेज की वापसी पर खेली गयी अहम पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से भारतीय टीम ने गुरूवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 34 रन से जीत दर्ज की।

महज 139 रन के स्कोर का बचाव करते हुए बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव (22 रन देकर दो विकेट) ने पावरप्ले के बाद अपनी मौजूदगी दर्ज करायी और खतरनाक दिख रही श्रीलंकाई कप्तान चामरी अटापट्टू (16 रन) और हर्षिता मादावी (10 रन) को तीन गेंद के अंदर आउट कर दिया। सात ओवर में श्रीलंका ने 27 रन के अंदर तीन विकेट गंवा दिये थे। इसके बाद टीम दबाव में आ गयी और वह कभी भी लक्ष्य के करीब पहुंचती नहीं दिखी। फिर तेज गेंदबाज पूजा वस्त्राकर की कसी गेंदबाजी ने उसकी उम्मीदें तोड़ दी जिन्होंने चार ओवर में एक मेडन से 13 रन देकर एक विकेट झटका।

दीप्ति शर्मा ने भारत को अच्छी शुरूआत करायी जिन्होंने सलामी बल्लेबाज वी गुणरत्ने (शून्य) को दूसरे ही ओवर में आउट कर दिया। इस सीनियर ऑफ स्पिनर ने पावरप्ले में बेहतरीन गेंदबाजी की और उन्होंने तीन ओवर में एक मेडन से नौ रन देकर एक विकेट झटका। दीप्ति ने साथ ही डीप स्क्वायर लेग में दौड़ते हुए एक बेहतरीन कैच भी लपका जिससे राधा यादव को दिन का अपना दूसरा विकेट मिला।

कविशा दिलहारी मेजबान टीम के लिये अकेले दम पर जुटी थी जिन्होंने 49 गेंद में छह चौकों की मदद से 47 रन बनाये लेकिन भारत की शीर्ष स्तरीय गेंदबाजी और बेहतरीन क्षेत्ररक्षण ने सुनिश्चित किया कि उसकी टीम तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ले।

मेजबानों को अंतिम पांच ओवर में 78 रन की दरकार थी और कविशा ने हरमनप्रीत कौर और राधा यादव के खिलाफ कुछ बाउंड्री लगायी। लेकिन इतना ही काफी नहीं था क्योंकि भारतीयों ने घरेलू टीम की रन गति पर लगाम कस रखी थी और उन्हें पारी में एक भी छक्का नहीं लगाने दिया। शेफाली वर्मा ने अंतिम ओवरों में अमा कंचना (11) को आउट कर दिया जिसके बाद श्रीलंका की टीम 20 ओवर में पांच विकेट पर 104 रन ही बना सकी। श्रृंखला का दूसरा मैच शनिवार को खेला जायेगा।

इससे पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद भारत ने श्रीलंका की अनुशासित गेंदबाजी के सामने रोड्रिगेज की 27 गेंद में 36 रन की पारी की मदद से छह विकेट पर 138 रन का स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (01) का विकेट पारी के तीसरे ओवर में ही खो दिया। 25 साल की भारतीय खिलाड़ी हाथ खोलने के प्रयास में अनुभवी ओशादी का शिकार बनीं। वह शॉट खेलने की कोशिश में गेंद सीधे मिडऑन पर खड़ी चामरी अटापट्टू को कैच दे बैठीं।

सभिनेनी मेघना एक भी रन नहीं जोड़ सकीं और अनुभवी राणासिंघे ने उन्हें ड्रेसिंग रूम में भेज दिया। गर्म और उमस भरे हालात में शुरू में ही दो विकेट गंवाने के बाद टीम पर दबाव साफ दिख रहा था। हरमनप्रीत और शेफाली वर्मा की जोड़ी ने इस नाजुक स्थिति को संभाला।

शेफाली (31 रन) आउट होने वाली तीसरी खिलाड़ी रही जिन्हें अटापट्टू ने अपना शिकार बनाया जब वह बड़ा शॉट खेलने का प्रयास कर रही थीं। श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी कर सुनिश्चित किया कि उन्हें जल्द ही बड़ा विकेट मिल जाये और ऐसा हुआ भी जब कप्तान हरमनप्रीत (22) 11वें ओवर में स्पिनर इनोका राणावीरा की गेंद पर पगबाधा आउट हुई।

राणावीरा ने दो और विकेट अपने नाम किये, उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष (11) और पूजा वस्त्राकर (14) के विकेट लेकर मेहमान टीम के 17 ओवर में छह विकेट झटक लिये थे जबकि उसका स्कोर महज 106 रन था। टीम में वापसी कर रही रोड्रिगेज ने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी बखूबी निभायी। पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरी रोड्रिगेज दबाव में नहीं आयी और उन्होंने टीम के लिये अहम रन जुटाये। उन्होंने तीन चौके और एक छक्का जमाया और दूसरे छोर पर दीप्ति शर्मा ने आठ गेंद में 17 रन जोड़े।

सरफराज शो के बाद मध्य प्रदेश का ठोस जवाब

मुंबई ने 374 रन बनाये

बेंगलुरु, 23 जून। सरफ़राज़ ख़ान (134) के शतक की बदौलत मुंबई के 374 रन बनाने के बाद मध्य प्रदेश ने गुरुवार को रणजी ट्रॉफी फाइनल के दूसरे दिन के अंत तक एक विकेट के नुकसान पर 123 रन बना लिये।

मुंबई के लिये दूसरे दिन 248/5 से शुरुआत करते हुए सरफ़राज़ ने मध्य प्रदेश को 'सरफ़राज़ शो' दिखाया। एक तरफ़ जहां मुंबई के अन्य बल्लेबाज़ एमपी की फिरकी के आगे बेअसर नज़र आये, सरफ़राज़ ने मोर्चा संभालते हुए रणजी के इस सत्र का चौथा शतक जड़ा। सरफ़राज़ ने 243 गेंदें खेलकर 13 चौकों और दो छक्कों की मदद से 134 रन बनाये। सरफ़राज़ के अलावा शम्स मुलानी ने 12, तनुष कोटियान ने 15, तुषार देशपांडे ने छह और मोहित अवस्थी ने सात रन बनाये।

मध्य प्रदेश की ओर से सबसे सफ़ल गेंदबाज़ गौरव यादव रहे जिन्होंने 35.4 ओवर में 106 रन देकर सरफ़राज़ खान के बहुमूल्य विकेट सहित चार विकेट झटके। इसके अलावा अनुभव अग्रवाल ने तीन, सारांश जैन ने दो और कुमार कार्तिकेय ने एक विकेट लिया।

मुंबई के 374 रन का जवाब देने उतरी मध्य प्रदेश को हिमांशु मंत्री और यश दूबे ने अच्छी शुरुआत दिलायी। दोनों के बीच 47 रन की साझेदारी हुई। शुरुआती ओवरों में दोनों बल्लेबाज़ों ने अपना समय लिया, लेकिन इस सीज़न के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज शम्स मुलानी के आते ही हिमांशु ने अपने हाथ खोले। हिमांशु ने मुलानी के दूसरे ओवर में दो छक्के जड़कर पारी का गियर बदला। मुलानी ने दिन के अपने 11 ओवर में 46 रन दिये।

हिमांशु 49 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों सहित 31 रन बनाकर लय में दिख रहे थे मगर तुषार देशपांडे ने उन्हें एलबीडब्ल्यू कर मुंबई को पहली सफ़लता दिलायी। तीसरे नंबर पर आये शुभम शर्मा ने सलामी बल्लेबाज़ यश दूबे के साथ 76 रन की साझेदारी कर ली है। दिन का खेल समाप्त होने तक मध्य प्रदेश ने 123/1 रन बना लिये हैं। यश 131 गेंदों पर 44 रन (छह चौके) बनाकर खेल रहे हैं जबकि शुभम ने 65 गेंदों पर 41 रन (छह चौके) बना लिये हैं।

पहले सत्र में सरफ़राज़ शो के बाद जहां मध्य प्रदेश पिछड़ी हुई लग रही थी, वहीं उन्होंने सूझ-बूझ के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए दूसरे दिन सिर्फ एक विकेट गंवाया। दूसरे दिन के अंत तक मध्य प्रदेश 251 रन से पिछड़ी हुई है, मगर उनके पास नौ विकेट भी बाकी हैं, जो मुंबई के लिये चिंता का विषय है। इससे पहले सरफराज ने इस रणजी सीज़न का चौथा शतक बनाया और आसमान को इशारा करते हुए थाई-फ़ाइव। यह सरफ़राज़ ख़ान का शतक पूरा करने के बाद जश्न मनाने का अंदाज़ था। इसके बाद वह पवेलियन की ओर बल्ला दिखाते हुए थोड़ा भावुक भी हुए।

यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सरफ़राज़ का आठवां शतक था, जिसमें से वह सिर्फ़ दो में ही 150 का आंकड़ा छू नहीं पाए हैं। लेकिन इसे सरफराज़ के अब तक के करियर का सबसे महत्वपूर्ण शतक कहा जा सकता है क्योंकि यह तब आया जब मध्य प्रदेश की गेंदबाज़ी के सामने मुंबई का मध्यक्रम लड़खड़ाता हुआ दिख रहा था।

2019-20 के पिछले रणजी सीज़न में सरफ़राज़ ने नौ पारियों में 928 रन बनाए थे। इस सीज़न में भी वह आठ पारियों में 133.85 के औसत के साथ 937 रन बना चुके हैं। कम से कम 2000 प्रथम श्रेणी रन बनाने वाले बल्लेबाज़ों में उनका औसत (82) सिर्फ़ सर डॉन ब्रैडमेन से ही कम है।

इस सीज़न से पहले सरफ़राज़ के अब्बू नौशाद ख़ान ने उनसे मयंक की तरह फिर से सीज़न बनाने को कहा था। मयंक की तरह से मतलब जिस तरह से 2017-18 सीज़न में बड़े-बड़े शतक लगाकर कर्नाटक के मयंक अग्रवाल ने टीम इंडिया में जगह बनाई थी, कुछ उस तरह ही। सरफ़राज़ ने अपने अब्बू से किया गया वह वादा पूरा किया है। लेकिन सरफ़राज़ का यह प्रदर्शन और भी विशेष है क्योंकि मयंक सलामी बल्लेबाज़ी करते हैं, जहां उनके पास बल्लेबाज़ी करने का पर्याप्त मौक़ा होता है। वहीं सरफ़राज़ मध्य क्रम में नंबर पांच पर आते हैं, जहां पर कभी-कभी तो बल्लेबाज़ी के भरपूर मौक़े होते हैं लेकिन कभी-कभी उन्हें पुछल्ले बल्लेबाज़ों के साथ पारी को संभालना होता है।

गंगजी कोरिया ओपन में 29वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय

चिओनान (कोरिया), 23 जून। भारत के राहिल गंगजी यहां कोलोन कोरिया ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर में एक ओवर 72 के स्कोर के साथ भारतीयों के बीच सर्वश्रेष्ठ संयुक्त 29वें स्थान पर चल रहे हैं। गंगजी 15 होल के बाद शीर्ष पांच में चल रहे थे लेकिन अंतिम तीन होल में बोगी में साथ वह नीचे खिसक गए। गगनजीत भुल्लर दो ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं जबकि वीर अहलावत (78) और हनी बैसोया (80) क्रमशः संयुक्त 120वें और संयुक्त 133वें स्थान पर चल रहे हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में भी सविता करेगी कप्तानी

नयी दिल्ली, 23 जून। इंग्लैंड के बर्मिंघम में 28 जुलाई से शुरू होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तानी गोलकीपर सविता करेंगी, जबकि ठोस एक्का को टीम की उपकप्तानी सौंपी गयी है। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिये भारत को पूल-ए में इंग्लैंड, कनाडा, वेल्स और घाना के साथ रखा गया है। भारत का पहला मुकाबला 29 जुलाई को घाना के विरुद्ध होगा। हॉकी इंडिया ने बताया कि राष्ट्रमंडल खेलों के लिये घोषित 18 सदस्यीय स्क्वाड में सविता के साथ रजनी एटीमारपू को बतौर गोलकीपर शामिल किया गया है। दीप ठोस एक्का के साथ डिफेंडर गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता को टीम में जगह दी गयी है। मिडफील्डर निशा, सुशीला चानू पुखरमबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर और सलिमा टेटे को भी बर्मिंघम के लिये चुना गया है। फॉर्वर्डलाइन में अनुभवी वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवनीत कौर, शर्मीला देवी और युवा संगीता कुमारी को टीम का हिस्सा बनाया गया है।

चोट के कारण रिहैब से गुजर रहीं रानी रामपाल को राष्ट्रमंडल खेलों के लिये नहीं चुना गया। इससे पहले एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप के लिये घोषित टीम में भी रानी को शामिल नहीं किया गया था। रानी की अनुपस्थिति में सविता दोनों प्रतियोगिताओं में टीम की कप्तानी करेंगी।

गोल्ड कोस्ट में हुए पिछले राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय महिलाओं ने चौथा स्थान हासिल किया था। एफआईएच प्रो लीग में शानदार प्रदर्शन के साथ तीसरे स्थान पर रहने वाली भारतीय महिलाओं से उम्मीद की जा रही है कि वे राष्ट्रमंडल खेलों में पोडियम पर जगह बनाएंगी। टीम चयन के बारे में बात करते हुए टीम के कोच जैनेके शॉपमैन ने कहा, हमने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये एक अनुभवी टीम चुनी है।

ईस्टबॉर्न युगल के सेमीफाइनल में पहुंची सेरेना, जब्यूर

ईस्टबॉर्न, 23 जून। ग्रैंड स्लैम युगल चैम्पियनशिप की 23 बार की विजेता सेरेना विलियम्स ने अपनी ट्यूनीशिया की साथी ऑन्स जब्यूर के साथ मिलकर रोथसे इंटरनेशनल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सेरेना-जब्यूर की जोड़ी ने बुधवार को हुए क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की शुको औयामा और ताइवान की चान हाओ चिंग को 6-2, 6-4 से शिकस्त दी। पिछले साल के विम्बल्डन में चोट लगने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही सेलेना ने पहली बार विश्व की नंबर तीन जब्यूर के साथ जोड़ी बनायी है। विलियम्स और जब्यूर सेमीफाइनल में सर्बिया की एलेक्ज़ांद्रा क्रूनिच और पोलैंड की मैग्डा लिनेटे का सामना करेंगी। विलियम्स ने सेमीफाइनल में कदम रखने के बाद कहा, मैंने विम्बल्डन और इस टूर्नामेंट की तैयारी में काफी गहन प्रशिक्षण किया है। यह मेरे लिये कारगर रहा है। मुझे लगता है कि मैं बेहतर सर्व कर रही हूं। सात बार की विम्बल्डन विजेता विलियम्स को आगामी विम्बल्डन में एकल प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड के रूप में शामिल किया गया है।

मेदवेदेव, सिटसिपास आगे बढ़े, किर्गियोस ने नाम वापस लिया

पाल्मा, 23 जून। दानिल मेदवेदेव और स्टेफानोस सिटसिपास ने मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है, जबकि निक किर्गियोस विंबलडन से पहले चोट से बचने के लिये इस टूर्नामेंट से हट गये। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मेदवेदेव ने असलान करात्सेव को 4-6, 6-3, 6-2 से जबकि सिटसिपास ने इल्या इवाश्का को 6-4, 6-4 से पराजित किया। मेदवेदेव का सामना अब रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट से होगा, जो किर्गियोस के मैच से पहले हटने के कारण आगे बढ़े हैं। मेदवेदेव इस साल विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि ऑल इंग्लैंड क्लब ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर रूस और उसके सहयोगी बेलारूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगा रखा है। विश्व में छठे नंबर के सिटसिपास का अगला मुकाबला अमेरिका के मार्क्स गिरोन से होगा, जिन्होंने हमवतन मैकेंजी मैकडोनाल्ड को 4-6, 7-6 (5), 6-4 से हराया।

सिंगापुर तैराकी : नटराज, आंब्रे और गौड़ा को स्वर्ण

सिंगापुर, 23 जून। तोक्यो ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले श्रीहरि नटराज और माना पटेल ने गुरुवार को यहां सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते जबकि भारत ने पहले दिन पांच पदक अपनी झोली में डाले।

प्रतिभावान तैराक मिहिर आंब्रे ने 50 मीटर बटरफ्लाई जबकि अनीष गौड़ा ने 800 मीटर फ्रीस्टाइल का खिताब जीता। राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इस तैयारी प्रतियोगिता के पहले दिन भारत ने तीन स्वर्ण पदक जीते।

शिवा श्रीधर ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 57.58 सेकेंड के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया जिससे भारत ने गुरुवार को तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक से कुल पांच पदक जीते। ओलंपिक मानक समय हासिल करने वाले सबसे युवा भारतीय तैराक नटराज ने 100 मीटर बैकस्ट्रोक में 55.32 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया। महिला 100 मीटर बैकस्ट्रोक में माना ने एक मिनट 4.47 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता।

विश्वकप के फाइनल में पहुंची महिला रिकर्व टीम

पेरिस, 23 जून। भारतीय महिला रिकर्व तीरंदाज़ी टीम ने गुरुवार को तीरंदाज़ी विश्व कप के तीसरे चरण के फाइनल में प्रवेश करते हुए भारत के लिये कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर दिया। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और सिमरनजीत कौर जैसे शीर्ष तीरंदाज़ों से सुसज्जित भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में आठवीं सीड तुर्की को 5-3 से हराया। भारत को रविवार को होने वाले फाइनल में स्वर्ण के लिये चीनी ताइपे का सामना करना है। पहले राउंड में बाय मिलने के बाद भारत ने दूसरे राउंड में यूक्रेन को 5-1 से शिकस्त दी। दीपिका, अंकिता और सिमरनजीत की तिकड़ी ने क्वार्टरफाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। इस बीच, पुरुषों की रिकर्व टीम दूसरे राउंड से आगे नहीं जा सकी। ओलंपियन तरुणदीप राय, प्रवीण जाधव और जयंत तालुकदार की टीम को शूट-ऑफ में स्विट्ज़रलैंड के हाथों 5-4 से हार का सामना करना पड़ा।

मलेशिया के ली जी जिया राष्ट्रमंडल खेलों से हटे

नयी दिल्ली, 23 जून। पूर्व ऑल इंग्लैंड चैम्पियन ली जी जिया ने अगस्त में होने वाली विश्व चैंपियनशिप को ध्यान में रखते हुए अपने कार्यभार प्रबंधन के लिये आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से हटने का फैसला किया है। विश्व में पांचवें नंबर के मलेशियाई खिलाड़ी के हटने से भारत के किदांबी श्रीकांत और लक्ष्य सेन के लिये बर्मिंघम खेलों में स्वर्ण पदक जीतना थोड़ा आसान हो जाएगा। सिंगापुर के विश्व चैंपियन लोह कीन यू भी दावेदारों में शामिल हैं। जी जिया ने ट्विटर पोस्ट किये गये वीडियो में कहा, "यह मुश्किल फैसला था क्योंकि इससे पहले भी मैं लगातार दो टूर्नामेंट में खेला हूं लेकिन मुझे आराम की जरूरत है और (इसलिए) मुझे राष्ट्रमंडल और विश्व चैंपियनशिप में से किसी एक का चयन करना था।"

शुभी गुप्ता ने वेस्टर्न एशिया चैस में लहराया भारत का परचम

गाजियाबाद, 23 जून। शतरंज में बालिका वर्ग की नेशनल चैम्पियन शुभी गुप्ता ने मालदीव में आयोजित वेस्टर्न एशिया चैस चैम्पियनशिप में भारत का नाम रोशन करे दिया है। शुभी ने बुधवार देर शाम इस इंटरनेशनल शतरंज प्रतियोगिता के तीन फार्मेट क्लासिक, रैपिड और बिल्टज में सिल्वर मैडल जीत लिए। उसने ये मैडल अंडर 12 गर्ल्स श्रेणी में हासिल किए। यह चैस प्रतियोगिता मालदीव में 16-22 जून के सप्ताह में आयोजित हुई थी। इस स्पर्धा का गोल्ड कजाखिस्तान की कलिखमेत इलनाज ने जीता और इसी देश की असिलखान आसिया तीसरे स्थान पर रही।

शुभी ने क्लासिक फार्मेट के नौ राउंड में कुल 7.5 अंक हासिल किए जबकि इलनाज को 8 अंक मिले। आधे अंक के नुकसान के कारण इस भारतीय खिलाड़ी को दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। उसका आखिरी मुकाबला किर्गीजस्तान की अजीजोवा अदाल्या से हुआ।

शुभी ने सफेद मोहरों से खेलते हुए ग्रुनफील्ड ओपनिंग से शुरूआत की और 50 चालों के बाद अदाल्या को हरा कर मैडल पर कब्जा जमा लिया। इस वेस्टर्न एशिया चैस चैम्पियनशिप में चैस खेलने वाले नौ देशों के 150 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। इस प्रतियोगिता में भारत को बेस्ट फेडरेशन प्राइज से भी सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद निवासी शुभी गुप्ता ने इस साल अप्रैल महीने में कर्नाटक के मांडया में आयोजित नेशनल चैम्पियनशिप में अंडर 12 बालिका श्रेणी में सर्वोच्च स्थान हासिल करके सबको चौंका दिया था।

फ्रांस के पश्चिमी तट पर आइलैण्ड ऑफ रेआ एक लोकप्रिय ग्रीष्म पर्यटन स्थल है। खूबसूरत समुद्र तटों के अलावा यहां का एक प्रमुख आकर्षण हैं गधे। ये गधे साधारण नहीं बल्कि पॉत्तू गधे हैं जिनका उद्‌गम फ्रांस का पॉत्तू क्षेत्र है। सबसे बड़े गधों की इस नस्ल के बड़े साइज़ के कारण द्वीप के नमक उद्योग में इनका इस्तेमाल होता था। बड़े शरीर के अलावा लम्बा झबरीला फर, जिसे कैडनेट कहते हैं, इनकी मुख्य पहचान है और लंबी रस्सियों की तरह इनके चारों तरफ लटकता नज़र आता है। बड़े आकार और ताकत की वजह से इन्हें सॉल्ट मॉर्शेज़ (नमक के दलदलों) में काम पर लगाया जाता था, जहां इन्हें मच्छर व कीड़े काटने की समस्या का सामना करना पड़ता था। इसलिए इनकी टाँगों को मच्छरों आदि से बचाने के लिये पजामा पहनाना शुरु किया गया। पजामों की वजह से ही इन्हें ''डॉन्कीज़ इन पैटीज़'' नाम मिला। हालांकि, अब ये गधे नमक के दलदल में काम नहीं करते हैं पर इन्हें पजामा पहनाने की परम्परा अभी भी कायम है, शायद पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए। पॉत्तू गधों के अलावा पॉत्तू खच्चर भी कभी यूरोप में बेहद लोकप्रिय थे। इन्हें विश्व का बेहतरीन वर्किंग म्यूल (खच्चर) कहा जाता था। तब पॉत्तू क्षेत्र में बड़े पैमाने पर इनका प्रजनन होता था, पर दूसरे विश्वयुद्ध के आसपास मशीनीकरण बढ़ने से गधों व व खच्चरों की मांग घट गई और इनका बाजार भी ठप्प हो गया। साथ ही इनकी आबादी में भी नाटकीय कमी आई। वर्ष 1977 में तो मात्र 44 पॉत्तू गधे ही बचे थे। फिर, संरक्षण प्रयासों की बदौलत सन् 2005 में इनकी आबादी बढ़ कर 450 हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व अमित शाह से मिलीं मुर्मू

वे शुक्रवार को नामांकन दाखिल करेंगीं, बी.जे.डी. के दो मंत्रियों ने मुर्मू के नामांकन पत्र पर प्रस्तावक के तौर पर हस्ताक्षर किये

नई दिल्ली, 23 जून (वार्ता)। नैशनल डैमोक्रेटिक अलायंस (एन.डी. ए.) की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। मुर्मू गुरुवार दोपहर राजधानी दिल्ली पहुंची थीं।

प्रधानमंत्री ने गुरूवार को एक ट्वीट संदेश में कहा , द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात हुई। उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाये जाने का समाज के सभी वर्गों ने स्वागत किया है। जमीनी समस्याओं के बारे में उनकी समझ और भारत के विकास के बारे में उनका दृष्टिकोण असाधारण है।

इससे पहले यहां पहुंचने पर मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने भव्य स्वागत किया।

वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रबंधन टीम के समन्वयक केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

■ **दिल्ली पहुंचने पर श्रीमती मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के कई नेताओं ने भव्य स्वागत किया।**

केन्द्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री अर्जुन मुण्डा, केन्द्रीय संस्कृति एवं संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और भाजपा महासचिव तरुण चुघ के साथ राजधानी आयी थी।

सूत्रों के अनुसार मुर्मू शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के बाद गुरूवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

शाह ने एक ट्वीट संदेश में कहा, राजग के राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से भेंट कर उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दीं। उनके नाम की घोषणा से ही जनजातीय समाज अत्यंत गौरव की अनुभूति कर रहा है। मुझे विश्वास है कि उनके प्रशासनिक व सार्वजनिक अनुभव का लाभ पूरे देश को मिलेगा।

इससे पहले यहां पहुंचने पर मुर्मू का हवाई अड्डे पर दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष आदेश गुप्ता, सांसद मनोज तिवारी और रमेश बिधूड़ी सहित पार्टी के तमाम नेताओं ने भव्य स्वागत किया।

द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में बीजू जनता दल ने ओडिशा में अपनी सरकार के दो मंत्रियों को भेजा है जिन्होंने आज मुर्मू के नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर किये।

बीजद अध्यक्ष एवं ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देश पर जगन्नाथ सरका और तुकुनी साहू भुवनेश्वर से दिल्ली पहुंचे और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं से मुलाकात की। केन्द्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी और भूपेन्द्र यादव तथा भाजपा के महासचिव अरुण सिंह की मौजूदगी में उन्होंने मुर्मू के नामांकन पत्र पर बीजद की ओर से हस्ताक्षर किये। बीजद के दोनों नेता कल मुर्मू के नामांकन के वक्त भी मौजूद रहेंगे।

सूत्रों के अनुसार इससे पहले भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने भुवनेश्वर में पटनायक को फोन लगा कर मुर्मू के नामांकन कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया। इस पर पटनायक ने उन्हें उनके मंत्रिमंडल के दो मंत्रियों सरका और साहू को नामांकन पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत करने और नामांकन के वक्त उनके मौजूद रहने की जानकारी दी।

बाइकों की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अभियान चल रहा है जिसमें अभी तक 35 बाइक जब्त कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि साइलैंसर मौडिफाई करवाना व्हीकल एक्ट का उल्लंघन है। ऐसे में 5 से 10 हजार की पेनाल्टी व जेल भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

अडानी 60 हजार करोड़ की सम्पत्ति दान करेंगे

अडानी ने कहा कि वे, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्किल डवलपमैंट जैसे क्षेत्रों में समाज और देश की सेवा करना चाहते हैं

नई दिल्ली/अहमदाबाद, 23 जून (वार्ता)। एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति और भारत के शीर्ष उद्योगपति गौतम अडाणी शुक्रवार को अपने 60वें जन्मदिन और अपने पिता शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती पर 60,000 करोड़ रुपये दान करेंगे। अडाणी समूह ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अडाणी समूह की ओर से यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती और गौतम अडाणी के 60वें जन्मदिन पर, अडाणी परिवार ने कई सामाजिक कार्यों के लिये 60,000 करोड़ रुपये दान करने का फैसला किया है। भारत के जनसांख्यिकीय लाभों की क्षमता का उपयोग करने के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा

■ **उद्योगपति अडानी ने अपने 60वें जन्मदिन के अवसर पर ऐसा करने का फैसला लिया।**

■ **गौतम अडानी ने कहा कि, वे समाज व देश की सेवा का मौका पाकर बेहद खुश हैं, भारत के जनसांख्यिकीय लाभों की क्षमता का उपयोग करने के लिये स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।**

और कौशल विकास जैसे क्षेत्रों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। अडाणी समूह के चेयरमैन अडाणी ने कहा कि वह स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ावा देने में योगदान करने का अवसर पाकर खुश हैं।

अडाणी ने कहा, देशभर में स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास को बढ़ाने में योगदान करने का अवसर मिलने के लिये खुशी महसूस कर रहा हूं। मेरा 60वां जन्मदिन होने के अलावा यह वर्ष हमारे प्रेरक पिता शांतिलाल अडाणी की 100वीं जयंती का भी है। यह उस योगदान को और अधिक महत्व देता है जो हम एक परिवार के रूप में दे रहे हैं।

इस अवसर पर विप्रो लिमिटेड के संस्थापक अध्यक्ष अज़ीम प्रेमजी ने कहा, गौतम अडाणी और उनके परिवार की सामाजिक परोपकार के प्रति प्रतिबद्धता एक उदाहरण स्थापित करता है कि हम सभी महात्मा गांधी के ट्रस्टशिप के सिद्धांत को अपनी व्यावसायिक सफलता के शिखर पर जीने की कोशिश करते हैं।

कांग्रेस ने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ई.डी.) कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से 54 घंटे तक पूछताछ करता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अडानी समूह को श्रीलंका में पवन ऊर्जा का ठेका दिलाने के लिए जब वहां के राष्ट्रपति पर दबाव डालते हैं तो ई.डी. इस मामले में कोई संज्ञान नहीं लेता है।

कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी ने अदानी समूह को श्रीलंका में ठेका दिलाने के लिए वहां के राष्ट्रपति पर दबाव डाला है और यह बात श्रीलंका की संसद के समक्ष वहां के बिजली बोर्ड के अध्यक्ष ने रखा है। बोर्ड के अध्यक्ष ने बताया कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीलंका में विंड पावर प्रोजेक्ट का ठेका अडानी ग्रुप को देने के लिए वहां के राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे पर दबाव डाला था।

ताइवान ने चीन के आक्रमण के समय भारत से मदद का आग्रह किया

नयी दिल्ली, 23 जून(वार्ता)। ताइवान के शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि भारत हिंद-प्रशांत में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाए रखने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों में शामिल होकर ताइवान का समर्थन कर सकता है। उन्होंने आगाह किया कि चीन उनके देश पर आक्रमण कर सकता है।

यहां दिए एक साक्षात्कार में ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र के उप प्रतिनिधि मुमिन चेन ने कहा, रूस की सीमा यूक्रेन के साथ मिलती है और दोनों की संस्कृतियां भी काफी हद तक समान है लेकिन रूस पहले यूक्रेन को डराता रहा और अंततः उसने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया। ताइवान और चीन के मामले में स्थिति इसी प्रकार की ही है। उन्होंने कहा, चीन ताइवान के खिलाफ मनोविज्ञान और सेना का इस्तेमाल डराने-धमकाने के लिए कर रहा है। उसने ताइवान के आस-पास कई सैन्य अभ्यास किए हैं। प्रत्येक महीने चीन ताइवान के आस-पास सैन्य अभ्यास करता है।

जयपुर दिल्ली सहित राजस्थान के 10 रूट्स पर चलेंगीं वंदे भारत ट्रेनें

इसके अलावा जयपुर-जोधपुर व जयपुर-कोटा रूट्स प्रमुख होंगे, इन रूट्स पर अधिकतम ट्रैवल टाइम 2 से 2.30 घंटे का होगा

नई दिल्ली, 23 जून। देश के कई शहरों में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के संचालन को लेकर इंतजार चल रहा था, जो अब जल्द ही खत्म हो सकता है। मिली जानकारी के अनुसार जयपुर- दिल्ली समेत राजस्थान के 10 रूट्स पर जल्द वंदे भारत ट्रेने चलाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। रेल मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि, आने वाले दिनों में राजस्थान के 10 अलग-अलग रूट पर वंदे भारत ट्रेनों के संचालन की योजना है। इनमें जयपुर - दिल्ली , जयपुर -जोधपुर और जयपुर - कोटा रूट प्रमुख है, जबकि सात और रूट जल्द ही निर्धारित होंगे। इन रूट्स पर यात्रा केवल 2 से 2.30 में पूरी हो सकेगी।

गौरतलब है कि, देश में अभी दो वंदे भारत ट्रेन चल रही है। इन ट्रेनों की रफ्तार अधिकतम 180 किलोमीटर जबकि न्यूनतम 130 किलोमीटर प्रतिघंटा है। इन ट्रेनों के लिए ट्रेक इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने की कवायदे शुरू हो गई है। वहीं चैन्नई स्थित इंटीग्रल कोट फैक्ट्री में दो नई वंदे भारत ट्रेन सेट का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जो अगस्त तक सामने आ सकती है। उल्लेखनीय है कि साल 2023 अगस्त तक देश में 75 वंदे भारत ट्रेनों के उत्पादन का लक्ष्य हैं।

■ **गौरतलब है कि, देश में अभी दो वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इन ट्रेनों की रफ्तार अधिकतम 180 किलोमीटर जबकि न्यूनतम 130 किलोमीटर प्रतिघंटा है।**

■ **रेलवे ने इन रूट्स पर ट्रेनें चलाने की तैयारी पूरी कर ली है, जल्द ही इसकी घोषणा हो सकती है।**

■ **रेलवे की वर्ष 2023 अगस्त तक देश में 75 वंदे भारत ट्रेनों के उत्पादन एवं संचालन का लक्ष्य है।**

वंदे भारत ट्रेन राजस्थान रूट पर सबसे पहले राजधानी को कनेक्ट करने वाली हो सकती है। जयपुर - दिल्ली रूट पर इस ट्रेन के चलने से प्रदेशवासियों को एक बड़ा फायदा होगा। व्यावसायिक गतिविधियों के लिए दिल्ली जाने वाले लोग महज 2 घंटे में अपनी यात्रा पूरी कर लेंगे।

अन्ततोगत्वा शिव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के कह रहे है, जिसकी जरूरत उन्हे अन्ततोगत्वा पड़नी ही है। जब विधानसभा में शक्ति परीक्षण होगा, उस समय शिन्दे के खेमे की वास्तविक संख्या ज्ञात भी हो ही जायेगी। जैसा कि मराठी मीडिया का कहना है, शिन्दे का समर्थन कर रहे बहुत से विधायक ऐसा इसलिये कर रहे हैं ताकि वे उन केसों से बच सकें, जो केन्द्रीय जाँच एजेंसियों, जिनमें ई.डी. तथा आयकर विभाग भी शामिल है, ने उनके खिलाफ दर्ज कर दिये हैं। यह भी संभव है कि बगावत कर रहे कुछ विधायक फिर से ठाकरे ग्रुप के समर्थन में आ जायें तथा शिन्दे ग्रुप के सामने दलबदल-विरोधी कानून के प्रावधानों को पराजित योग्य संख्या में विधायक जुटाना मुश्किल हो जाये। सार तत्व की बात यह है कि एम.वी.ए. सरकार के गिरने की पूरी-पूरी सम्भावना है। लेकिन एक राजनीतिज्ञ के रूप में उद्धव ठाकरे के बारे में अन्तिम रूप से कुछ कह पाना अभी भविष्य के गर्भ में है।

अडानी के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह चीज ई.डी. द्वारा जाँच किये जाने की जरूरत नहीं बताती ? क्या ई.डी. ने अडानी ग्रुप के किसी व्यक्ति को आज तक तलब किया या क्या ई.डी. इन गम्भीर आरोपों की जाँच की योजना बना रहा है?

वल्लभ ने पूछा कि ई.डी. जैसी एजेंसी की क्या विश्वसनीयतां रही, जो राजनैतिक शिकार करने पर तो लगा हुआ है, लेकिन गम्भीर आरोपों और अपराधों की जाँच करने के अपने कर्तव्य एवं दायित्व का पूरा करने में पूरी तरह विफल है।

पिछले 8 साल में, सभी क्षेत्रों से सम्बधित भाजपा सरकार के सारे दचचावों, चाहे वे कितने भी लम्बे चौड़े तथा झूठे हों, के चलते, मोदी सरकार बारबार सस्ती चालबाजियों का सहारा ले रही है, जैसे राहुल गांधी से पिछले पाँच दिन तक पूछताछ किया जाना, ताकि एक राजनैतिक करतबों के जरिये, उनकी प्रतिष्ठा खराब की जा सके।

प्रोफेसर गौरव वल्लभ ने ई.डी. पर आरोप लगाया कि उसे ऐसी राजनैतिक करतूतों को अंजाम देने के लिये, केन्द्र सरकार से ''बाध्यकारी निर्देश'' मिलते रहते है।

शिवसेना के बागी विधायकों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

यह याचिका मध्यप्रदेश की कांग्रेस नेता जया ठाकुर ने दायर की है

नई दिल्ली, 23 जून (वार्ता)। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक उथल-पुथल के बीच उच्चतम न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया है कि दलबदल करने वाले विधायकों को पांच साल तक के लिए चुनाव लड़ने से रोकने के निर्देश दिए जाएं। यह याचिका मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष जया ठाकुर की तरफ से दाखिल की गई है। यह साल 2021 में दायर उनकी लंबित याचिका के संदर्भ में है, जिसमें शीर्ष अदालत ने नोटिस जारी कर केंद्र से जवाब मांगा था। याचिका में अयोग्य घोषित होने या इस्तीफा देने वाले विधायकों के चुनाव लड़ने पर अगले पांच साल तक रोक लगाए जाने पर अंतरिम निर्देश की मांग की गई है। अपनी इस याचिका में ठाकुर ने कहा है कि सरकार को गिराने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा देश भर में एक हालिया प्रवृत्ति विकसित की गई है, जिसके तहत भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों को निरर्थक बनाने के लिए सत्तारूढङ दल के विधायक सदन से इस्तीफा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, फिर इस्तीफा देने वाले विधायकों को नई सरकार द्वारा मंत्री पद दिया जाता है और उन्हें उपचुनाव के लिए फिर से लड़ने के लिए टिकट भी दिया जाता है। ठाकुर की याचिका में कहा गया है, राजनीतिक दल इस स्थिति का लाभ उठा रहे हैं और विभिन्न राज्यों में चुनी हुई सरकारों को गिरा रहे हैं, महाराष्ट्र में भी ऐसा ही हो रहा है। ये राजनीतिक दल फिर से हमारे देश के लोकतांत्रिक ढांचे को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि लोकतंत्र में सुशासन के लिए सरकार की स्थिरता पर जोर दिया गया है।

■ **याचिका में दलबदल कानून के तहत बागी विधायकों को चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहराने की याचिका दाखिल की गई है**

सिंघवी ,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्माता सुब्बारामी रेड्डी (78) को सी.डब्ल्यू.सी. का स्थाई आमन्त्रित सदस्य तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू (42) को विशेष आमन्त्रित सदस्य बना दिया है।

अमेरिका में हैलिकॉप्टर क्रैश

वाशिंगटन, 23 जून (वार्ता)। अमेरिका के पश्चिम वर्जीनिया प्रांत में एक राजमार्ग पर वियतनाम युद्ध के दौरान इस्तेमाल किए गए एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने लोगान काउंटी ऑफिस ऑफ इमरजेंसी मैनेजमेंट की उप निदेशक सोन्या पोर्टर के हवाले से बताया कि हेलीकॉप्टर बुधवार शाम प्रांत के दक्षिणी हिस्से में पहाड़ी क्षेत्र में स्थित ब्लेयर माउंटेन के पास नीचे आ जाने से दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस पर्वत को केली होल्लो के नाम से भी जाना जाता है।

हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण का पता नहीं चला है।

■ **इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई।**

शिवसेना सांसद संजय राउत का 'सरेंडर'

मुंबई, 23 जून। बगावत करने वाले एकनाथ शिंदे ने गुरुवार को 42 विधायकों के साथ एक वीडियो जारी कर उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार पर दबाव और भी बढ़ा दिया है। इस बीच, शिवसेना सांसद संजय राउत भी बागी विधायकों के तेवर के आगे नरम पड़ते दिखाई दे रहे हैं। आपकों बता दें कि, एकनाथ शिंदे के साथ कुल 37 शिवसेना विधायक जुड़ चुके हैं साथ ही कहा जा रहा है कि, 7 अन्य निर्दलीय विधायकों का भी उनको समर्थन है।

सांसद संजय राउत ने कहा है कि अगर सारे विधायक चाहते हैं तो शिवसेना महा अघाड़ी सरकार से अलग हो जाएगी, लेकिन सारे बागी विधायकों को मुंबई आकर उनसे और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात करनी होगी। उन्होंने कहा कि वे (बागी विधायक) गुवाहाटी से संदेश बंद करें और मुंबई आकर बात करें। संजय राउत ने कहा, विधायकों को गुवाहाटी से संवाद नहीं करना चाहिए, वे वापस मुंबई आएं और मुख्यमंत्री से इन सब पर चर्चा करें।

सामूहिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा उसको उठाकर घर के पास स्थित नोहरे में ले गये। मेरी भानजी ने अपने बचाव की खूब कोशिश की तो दोनों युवकों ने चाकू से मारने की धमकी देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। भानजी को धमकाया गया कि किसी को बताया तो जान से मार देंगे। रात्रि में हम करीब एक बजे बीदासर घर पर आये तो हमारी भानजी रोती हुई मिली। बाद में उसने आपबीती बताई।

दवा मर्ज से ज्यादा खतरनाक साबित हो...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ोतरी की जाती है, जैसे कि हाल ही में की गयी है। इनमें से कुछ वृद्धियां अमेरिका के फैडरल बैंक द्वारा की गयी 75 बेसिस पाइन्ट्स की अधिक वृद्धि जैसी रही है। ये हालांकि अपरिहार्य रुप से कम हैं किन्तु इनकी प्रतिक्रियां आनी शुरु हो जाएंगी।

अमेरिका के फैडरल बैंक द्वारा ब्याज दरों में दी गई वृद्धि के साथ ही शेयर बाजार गिर गया है। जब भी ब्याज दरें बढ़ती हैं, शेयर्स और बॉण्ड्स के बीच के अंर्तलाभ साम्य में परिवर्तन हो जाने के कारण शेयर भाव गिर जाते हैं। बॉण्ड्स का मुनाफा बढ़ता है और बॉण्ड्स की कीमतों में गिरावट के साथ ही निवेशकों का जोखिम बदल जाता है और वे शेयर बाजार जैसी किसी चीज पर शिफ्ट हो जाते हैं।

वित्तीय बाजारों के ये परिवर्तन फिर वास्तविक अर्थव्यवस्था को हस्तांतरित हो जाते हैं। वास्तविक अर्थव्यवस्था बदलते वित्तीय बाजार को समायोजित करना शुरु कर देती है जिसका विपरीत असर व्यापारिक फर्मों पर जाता है। निवेश के प्रति उनकी योजनाएं अथवा उनका मूल्य निर्धारण कम हो जाता है और परिणाम स्वरुप एक समायोजन प्रक्रिया अपना स्थान बना लेती है।

ये समायोजन बड़ी संख्या में बेरोजगारी को जन्म देते हैं जो एक पूर्ण आर्थिक मंदी की पूर्व स्थिति है। अब प्रश्न ये है कि क्या वर्तमान में की गयी ब्याज दर वृद्धि और वित्तीय अर्थव्यवस्था बड़ी संख्या में बेरोजगारी पैदा करेगी। अतः केन्द्रीय बैंकों के थोड़े बहुत हस्तक्षेप की तुलना में वर्तमान मंहगाई कुछ हद तक अधिक हैं, इसलिए आर्थिक मंदी की आशंकाएं बढ़ जाती है। ब्याज दरों में वृद्धि जितनी अधिक होगी आर्थिक मंदी का भय भी उतना ही होगा।

यह ऐसा है जैसे की बीमारी की तुलना में उसका उपचार कम होना। लेकिन यदि ऐसा हो तो कीमतों में हो रही वर्तमान बढ़ोत्तरी के जारी रहने की आशंका है।

कुल मिलाकर पूरी दुनिया में व्यापक मंहगाई का त्वरित कारक एक ही है, यूक्रेन युद्ध ।

तीन महीनों से चल रहे युद्ध और वैमनस्यता के एक वैश्विक आर्थिक युद्ध का स्वरुप लेने के साथ ही लघु अवधि में कीमतों को स्थिर होते नहीं देखा जा सकता। दो चीजों का आधारभूत मूल्य प्रभावित हो रहे हैं-खाद्य पदार्थ और ईंधन। पर खाद्य पदार्थों और ईंधन की वैश्विक महंगाई है।

यदि अमेरिका पैट्रोल स्टेशन्स पर गैस के अधिक दाम दिए जाने को लेकर चिंतित है तो दुनिया का एक बड़ा हिस्सा मध्यवर्गीय और गरीब अपने परिवार के खाने का बिल चुकाने की जुगाड़ में लगे हैं। कुछ गरीब और छोटे देश एक तरह से टूट गए हैं।

निःसंदेह उनकी अर्थव्यवस्थाओं का पूर्णतया कुप्रबंधन किया गया है, भारत के दो दक्षिण एशियाई पड़ोसी दम तोड़ रहे हैं। श्रीलंका में आर्थिक मंदी या मंहगाई का प्रश्न नहीं है, वहां वे अधिकांश लोगों के लिए प्रश्न यह है कि अगली बार खाना कहां से मिलेगा अथवा परिवहन के साधन के अभाव में कोई गंभीर रोगी अस्पताल कैसे पहुंचेगा। पाकिस्तान में सरकार अपने नागरिकों से कह रही है कि वे अपने पसंदीदा पेय चाय को कम पीएं क्योंकि पाकिस्तान के केन्द्रीय बैंक के पास इतना विदेशी धन नहीं है कि वह विदेश से सूखी चाय खरीद सके।

सौभाग्य से भारत में हम इतनी गंभीर आर्थिक उथल पुथल में नहीं है। हालांकि, हम खाद्य पदार्थों और ईंधन, दोनों की मंहगाई का सामना कर रहे हैं और आर.बी.आई ब्याज दरों में वृद्धि कर रहा है, लेकिन फिर भी अर्थव्यवस्था में कमी करने वाली शक्तियां आर्थिक विकास नहीं रोक रही है। भारत के वर्तमान में 7 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि की संभावना है और यह स्थिति किसी भी रुप में आर्थिक मंदी की नहीं है। तथापि भारत एक अपवाद है और कई विशेषज्ञ यह स्वीकार कर रहे हैं कि अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण कुछ आंतरिक है, फिर भी देश अर्थव्यवस्था की वैश्विक तेजी के भरोसे नहीं है।

लेकिन फिर भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में उम्मीद की किरण ये है कि ये फिर स्थिति कुल मिलाकर आर्थिक मंदी की नहीं है। द इकोनॉमिस्ट तर्क देता है कि आर्थिक मंदी में दम तोड़ने के बजाए वैश्विक अर्थव्यवस्था फिर भी, धीमी गति से ही सही, किन्तु चल रही है।

किसी आर्थिक मंदी के निर्धारण के लिए आय में लगातार दो वर्ष तक कमी होनी चाहिए, लेकिन खुशी की बात यह है कि ऐसा नहीं है।

लेकिन क्या उम्मीद करें और क्या हो सकता है, इसके लिए हम अगली खबर का इंतजार करेंगे।

रेप के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधार पर माना कि रेप हुआ है और आरोपी को 10 साल की सजा सुनाई, जबकि कोर्ट में रेपिस्ट को पहचाने से मना करने पर परिवादी पक्ष के खिलाफ भी कार्यवाही करने के आदेश दिए गए हैं। पॉक्सो कोर्ट क्रमांक एक के जज अनूप पाठक ने यह आदेश दिया। नाबालिग के पिता ने मामला दर्ज कराया था कि 23 साल के ट्रक ड्राइवर अरशद पुत्र रुद्धार ने उसकी बेटी से रेप किया। वह टॉयलेट करने गई तो उसे बाजरे के खेत में ले गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद कोर्ट में केस आया। कोर्ट में नाबालिग ने रेपिस्ट को पहचानने से मना कर दिया। लेकिन कोर्ट ने मौजूदा रिपोर्ट के आधार पर रेप माना। आरोपी को 10 साल की सजा सुना दी। वहीं अपनी बेटी से रेप होने का मुकदमा दर्ज कराने और फिर मुकरने वाले पिता के खिलाफ भी कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

एडवोकेट भूप सिंह पोसवाल ने बताया कि एस.सी.-एस.टी.एक्ट और रेप का मामला दर्ज हुआ था। लेकिन बाद में पीडिता ने रेपिस्ट को पहचानने से मना कर दिया। इस पर अब रिपोर्ट दर्ज कराने वाले पिता के खिलाफ धारा 344 के तहत कार्यवाही होगी।

इतिहास में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तावक बनाने की जानकारी दी गई। इसके उपरान्त भी विधायक पूर्व कार्यक्रमों को रद्द कर दिल्ली जाने को तैयार हो गऐ। इनमें पिण्डवाड़ा विधायक संभाराम गरासिया की पुत्री की शादी बुधवार को ही हुई है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे भी शामिल हुई थी। सलूम्बर विधायक अमृतलाल मीणा के परिवार में भी शादी है। इधर जानकारी मिली है कि उदयपुर सांसद अर्जुनलाल मीणा ने राष्ट्रपति चुनाव से संबधित प्रक्रिया में एनडीए प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के समर्थन में प्रस्ताव रखा है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908